हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बेजुबान की मां...
सुश्री भूमिका मूलवानी
धमतरी

बेजुबानों की मां
अंकिता टंडन
रायपुर

# मातृत्व की दुर्लभ दुनिया...

## किसी ने तितलियों के रंग सहेजे, किसी ने गिलहरियों के लिए बिछा दी हथेलियां, किसी ने परिंदों के लिए अपना घर ही बना दिया आसमान

मातृत्व एक अहसास है। मां टूटी सांसों को फिर से जोड़ देती है। मां की करुणा किसी सीमा को नहीं मानती। किसी ने नाजुक तितलियों को सहेजने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, तो किसी ने बंदरों और लंगूरों के पूरे कुनबे को बसा लिया। किसी के लिए आसमान से गिरा परिंदा उसकी अपनी संतान की तरह प्यारा हो गया, जिसकी जान बचाने के लिए उसने दिन-रात एक कर दिया। ये केवल खबरें नहीं हैं, ये जीवंत प्रमाण हैं उस शाश्वत सत्य के कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। उसका कोई भूगोल नहीं होता। ममता के अहसास में इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बाहों में मुस्कुराते हैं। **मदर्स डे** पर हम आपको मिलवा रहे हैं ऐसी ही 'आधुनिक यशोदाओं' से, जिन्होंने समाज की बंदिशों को तोड़कर बेजुबान और नाजुक बच्चों को अपनी ममता की छांव दी। पढ़िए मामृत्व की दुर्लभ कहानियां...जहां इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बाहों में मुस्कुराते हैं।

### चिड़ियों और छोटे जीवों के लिए घर और भोजन

धमतरी

आज के दौर में जहां इंसान अपने जीवन की भागदौड़ में प्रकृति और बेजुबान जीवों से दूर होता जा रहा है, वहीं धमतरी की 29 वर्षीय सुश्री भूमिका मूलवानी पक्षियों और छोटे जीवों के लिए मां का फर्ज निभाकर मानवता की मिसाल पेश कर रही हैं। शिवराज ग्रीन निवासी भूमिका पिछले 11 वर्षों से घायल पक्षियों का उपचार, अनाथ चिड़ियों के बच्चों का पालन-पोषण और लोगों में पक्षियों के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत करने का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

बंदरो की मां....
स्मिता खटवानी

### ममता का खुला आकाश रच रहीं हैं स्मिता

कांकेर

भागदौड़ और शोर से भरी जिंदगी के बीच कांकेर में एक ऐसा घर भी है, जहां सुबह अलार्म से नहीं, चिड़ियों की चहचहाहट से होती है। आमापारा निवासी स्मिता खटवानी का घर अब पक्षियों और बेजुबान जीवों का आशियाना बन चुका है। लोग उन्हें अब "जीवों की मां" कहकर पुकारने लगे हैं।

### परिंदों की ममता से भरा आंगन, गौरैयों की 'मां' बनीं सीमा मिश्रा

रायसेन

अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया

रायसेन की साईं बिहार कॉलोनी, वार्ड-4 में रहने वाली सीमा मिश्रा का घर इन दिनों सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिंदों की चहचहाहट से गूंजता एक जीवंत संसार बन गया है। जहां एक ओर लोग आधुनिक जीवनशैली में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सीमा मिश्रा ने अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया है।

जगदलपुर

तितलियों की मां...

### करुणा से खिली है 'दीदी' की रंग-बिरंगी दुनिया

बस्तर की तितली दीदियां...जिन्होंने प्रकृति की सबसे नाजुक और रंगीन बच्चों को अपनी ममता की छांव दी है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में यशोदाएं नन्ही तितलियों के लिए किसी 'मां' से कम नहीं हैं।

### टूटे पंखों की धड़कन सुनती है अंकिता

रिम्स रायपुर में एमबीबीएस, थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता टंडन पढ़ाई के साथ-साथ घायल और बीमार पक्षियों की जिंदगी बचाने में जुटी हैं। रायपुर के रिम्स में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता पिछले सात वर्षों से पक्षियों और मूक प्राणियों का रेस्क्यू कर उनका उपचार कर रही हैं। अंकिता केवल इलाज ही नहीं करतीं, बल्कि अपने घर में उन्हें ऐसा वातावरण देने की कोशिश करती हैं, जिससे वे डर और दर्द से बाहर निकल सकें। घायल पक्षियों के लिए उन्होंने घर में अलग से पिंजरे और सुरक्षित स्थान बनाए हैं।

परिंदों की मां....
रीटा खरे

### रीटा की हथेलियों में पल रहा है परिंदा, चार बच्चों के बाद उनकी पांचवीं संतान

सिहोर

मां केवल वह नहीं होती जो अपनी कोख से जन्म दे, बल्कि माँ वह ममतामयी छांव है जो किसी भी बेजुबान के दर्द को अपना बना ले। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर हम आपको मिलवा रहे हैं सीहोर की वाल्मीकि कॉलोनी निवासी रीटा खरे (48 वर्ष) से, जिनकी ममता की चर्चा आज पूरे क्षेत्र में है। रीटा जी के चार बच्चे (दो बेटे और दो बेटियां) तो हैं ही, लेकिन वे अपने घर में पल रहे दर्जनों कबूतरों को अपनी पांचवीं संतान मानती हैं।

ये होंगे शामिल

आकाश अंबानी

अनुष्का शर्मा

रितिका शर्मा

### विराट और रोहित ने नेट्स में आक्रामक पारी खेलने का किया अभ्यास

## 13 साल बाद 'महामुकाबला', 'सुपर संडे' पर भिड़ेंगी आरसीबी-मुंबई, कोहली-रोहित को देखने का क्रेज

- शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आज शाम 7:30 बजे शुरू होगा मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 13 साल के लंबे इंतजार बाद रविवार को पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच महामुकाबला शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। इस सुपर संडे को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में गजब का क्रेज है। फैंस विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को एक साथ एक ही मैदान पर खेलते हुए देख सकेंगे। इन स्टार खिलाड़ियों की एक झलक पाने और मैच का लाइव रोमांच महसूस करने के लिए टिकटों की भारी मारामारी रही। क्रिकेट की दीवानगी का आलम यह है कि फैंस ने दोगुनी कीमत देकर भी टिकट खरीदे हैं। रविवार की छुट्टी होने के कारण राजधानी में इस मैच का उत्साह अपने चरम पर है। बता दें कि आईपीएल 2026 के इस मौजूदा सीजन में आरसीबी और मुंबई इंडियंस की टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने और प्लेऑफ की ▶▶| शेष पेज 8 पर

खास खबर

### स्टेडियम में इस तरह मिलेगी एंट्री

- सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में आरसीबी का आधिकारिक ऐप डाउनलोड कर लें।
- ऐप में उसी मोबाइल नंबर को डालकर लॉग-इन करें, जिसका उपयोग आपने टिकट खरीदते समय किया था।
- नंबर डालने के बाद आपको एक ओटीपी मिलेगा। इसे दर्ज करते ही ऐप में आपकी टिकट की जानकारी दिखने लगेगी।
- अभी ऐप में आपको अपनी टिकट की जानकारी दिखेगी, लेकिन क्यूआर कोड दिखाई नहीं देगा। सुरक्षा कारणों से क्यूआर कोड मैच वाले दिन, गेट खुलने पर 3 बजे ही ऐप में जनरेट होगा। इसी कोड को स्कैन करके आपको एंट्री मिलेगी।

### इन खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी

- एम-टिकट को व्हाट्सएप, ईमेल या स्क्रीनशॉट के जरिए फॉरवर्ड नहीं किया जा सकेगा। टिकट केवल उसी अधिकृत ऐप पर मान्य होगा जिससे इसे खरीदा गया है।
- अगर किसी कारणवश आपको अपनी टिकट किसी और को ट्रांसफर करनी पड़े, तो यह ऐप के माध्यम से केवल एक बार ही संभव होगा। इसके बाद टिकट पूरी तरह लॉक हो जाएगा।
- गेट पर तैनात स्कैनर जैसे ही आपके मोबाइल के क्यूआर कोड को स्कैन करेगा, वह सिस्टम में '**Used**' मार्क हो जाएगा। उस कोड से कोई दूसरा व्यक्ति प्रवेश नहीं कर पाएगा। ध्यान रहे, स्टेडियम से बाहर जाने पर दोबारा एंट्री की अनुमति नहीं होगी।

राजधानी रायपुर में शनिवार को अचानक मौसम बदला और बारिश हुई। इसके बाद स्टेडियम के पिच को ढंका गया।

### फील्डिंग, बैटिंग और बॉलिंग का जमकर अभ्यास

शनिवार को दोनों टीमें शाम 5 बजे मैदान पहुंचीं। इसके बाद खिलाड़ियों ने फील्डिंग, बैटिंग और बॉलिंग का जमकर अभ्यास किया। रोहित शर्मा ने नेट्स में स्ट्रेट ड्राइव और पुल शॉट्स का अभ्यास करते नजर आए, वहीं विराट ने कवर ड्राइव, लॉन्ग ऑन शॉट्स और लंबे छक्कों से सभी ध्यान खींचा। विराट और रोहित पहले भी रायपुर में खेल चुके हैं, जिसका अनुभव उन्हें मैच में फायदा पहुंचा सकता है।

# मदर्स-डे पर विशेष

हरिभूमि

आज के दौर में जहां इंसान अपने जीवन की भागदौड़ में प्रकृति और बेजुबान जीवों से दूर होता जा रहा है, वहीं धमतरी की 29 वर्षीय सुश्री भूमिका मूलवानी पक्षियों और छोटे जीवों के लिए मां का फर्ज निभाकर मानवता की मिसाल पेश कर रही हैं। शिवराज ग्रीन निवासी भूमिका पिछले 11 वर्षों से घायल पक्षियों का उपचार, अनाथ चिड़ियों के बच्चों का पालन-पोषण और लोगों में पक्षियों के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत करने का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

# बेजुबान की मां...घायलों का इलाज और देती हैं प्यार का आसरा

धमतरी से उमेश वशिष्ठ

विद्याकुंज स्कूल लोहरसी में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत भूमिका अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर उन बेजुबान पक्षियों की सेवा में लगी रहती हैं, जिनकी ओर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते। 2016 में दोस्तों के साथ मिलकर उन्होंने लोगों को पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित करना शुरू किया था। पक्षियों के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे घर भी बांटती हैं और लोगों को यह भी सिखाती हैं कि पक्षियों के साथ संवेदनशील बनें और अपनेपन का व्यवहार करें। भूमिका मूलवानी ने बताया कि धमतरी के फुटहामुड़ा जंगल क्षेत्र में कई दुर्लभ और सुंदर पक्षी देखने को मिलते हैं। यहां पैराडाइज फ्लाईकैचर, ब्लैक मोनार, इंडियन पिट्टा और नीलकंठ जैसे पक्षियों की मौजूदगी पर्यावरण की समृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि कुछ प्रवासी पक्षी अफ्रीका तक से यहां आते हैं, जिनकी गतिविधियों का अध्ययन और फोटोग्राफी भी वे वर्षों तक करती रहीं।

*माँ की ममता का कोई बदल नहीं सकता, यह अनूठी और अद्वितीय होती है -महात्मा गांधी*

## बुलाएंगे तो आएंगे पक्षी, वे प्यार समझते हैं

भूमिका ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे आसपास हमेशा पक्षियों की चहचहाहट गूंजती रहे, तो हमें अपने घरों के आसपास अधिक से अधिक फलदार और छायादार पेड़ लगाने चाहिए। साथ ही गर्मी के दिनों में सकोरे में पानी और दाना रखना चाहिए। फलों के छोटे टुकड़े रखने से बुलबुल, गिलहरी और अन्य पक्षी भी आकर्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि पक्षियों की रक्षा केवल वन विभाग या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। छोटी-छोटी कोशिशें ही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रख सकती हैं।

घायल पंछियों का करती हैं इलाज, अनाथ चिड़ियों को पालकर फिर से प्रकृति की गोद में छोड़ती हैं

## मरे और घायल पक्षियों को देख जागी करुणा

भूमिका ने बताया कि उनकी यह यात्रा गंगरेल क्षेत्र में पक्षियों की फोटोग्राफी से शुरू हुई थी। वहां प्रवासी और दुर्लभ पक्षियों को देखने के दौरान उन्होंने घायल और मृत पक्षियों की स्थिति देखी। इसी दौरान उन्हें महसूस हुआ कि पक्षियों के लिए पर्याप्त दाना-पानी और देखभाल की कमी है। धीरे-धीरे उनका शौक सेवा में बदल गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना मोबाइल नंबर साझा कर लोगों से अपील की कि यदि कहीं घायल पक्षी मिले तो उन्हें सूचना दें। इसके बाद लोग घायल गौरैया, कबूतर, तोता, बाज और गिलहरी जैसे जीव उनके पास लाने लगे। इंटरनेट और स्वयं के अनुभव से उन्होंने पक्षियों की देखभाल और प्राथमिक उपचार सीख लिया। आज वे सैकड़ों घायल पक्षियों और जीवों का उपचार कर उन्हें दोबारा स्वस्थ कर प्रकृति में छोड़ चुकी हैं। भूमिका बताती हैं कि शुरुआती दिनों में पक्षी उनसे डरते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद वे इतने घुलमिल जाते कि घर के सदस्य जैसे बन जाते थे। कई बार ऐसा भी हुआ कि स्वस्थ होकर उड़ाए गए पक्षी फिर वापस उनके घर लौट आए। इसके अलावा भूमिका मूलवानी ने बताया कि उनके पास एक बार गंभीर रूप से घायल अवस्था में उल्लू भी लाया गया था। उन्होंने उसकी देखभाल कर प्राथमिक उपचार किया और स्वस्थ होने के बाद उसे वन विभाग को सौंप दिया। बाद में वन विभाग द्वारा उस उल्लू को रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में सुरक्षित रूप से रिलीज किया गया। यह अनुभव उनके लिए बेहद भावुक और प्रेरणादायक रहा।

*मैं जो कुछ भी हूं, या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी माँ को जाता है।-अब्राहम*

सिद्ध बाबा आश्रम बना पक्षियों का सुरक्षित आशियाना, जहां हर सुबह चहचहाहट से जागती है ममता

# कबूतरों की मां...ममता की छांव में बसाया परिंदों का संसार

कवर्धा से महेश मिश्रा

मां की ममता केवल अपने बच्चों तक सीमित नहीं होती, कभी वह किसी घायल परिंदे की सांस बन जाती है,तो कभी किसी नन्हे पंख को सुरक्षित आसमान दे देती है। विकासखंड सहसपुर लोहारा के ग्राम बरौदा स्थित गुरूबाबा सिद्ध बाबा आश्रम में रहने वाली बैसाखिन बाई ऐसी ही ममता की जीवंत तस्वीर हैं। पिछले लगभग 40 वर्षों से वे कबूतरों की सेवा और संरक्षण में जुटी हुई हैं। उनके स्नेह और अपनत्व ने आश्रम को पक्षियों के सुरक्षित संसार में बदल दिया है। बैसाखिन बाई कबूतरों को केवल पक्षी नहीं मानतीं, बल्कि अपने परिवार का हिस्सा समझती हैं। हर सुबह और शाम वे स्वयं उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था करती हैं। यदि कभी उन्हें बाहर जाना पड़ जाए, तो आश्रम के सेवक उसी जिम्मेदारी के साथ कबूतरों की देखभाल करते हैं। वे बताती हैं कि कबूतरों को गेहूं सबसे ज्यादा पसंद है। इसके अलावा चावल और चना भी उन्हें खिलाया जाता है। आश्रम परिसर में बारहों महीने

कबूतरों की चहचहाहट गूंजती रहती है। यहीं वे घोंसले बनाते हैं, अंडे देते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। हालांकि कई बार सांप और सियार जैसे जीव इनके लिए खतरा बन जाते हैं, लेकिन आश्रम का शांत और सुरक्षित वातावरण उन्हें संरक्षण देता है।

बरौदा का सिद्ध बाबा आश्रम केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के सह-अस्तित्व का संदेश भी देता है। आश्रम परिसर में आम, जामुन, कटहल, नींबू और बिही जैसे फलदार वृक्षों की हरियाली फैली हुई है। यही कारण है कि कबूतरों के साथ बंदर, कोकड़ा और कौए भी यहां मौसम के साथ अपना ठिकाना बना लेते हैं।

## बैसाखिन का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत है

ग्रामीणों का कहना है कि बैसाखिन बाई का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत है। वे बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से सेवा में लगी हुई हैं। बैसाखिन बाई बस इतना कहती हैं कि जीवों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। वे कहती हैं कि कबूतर उनसे बात करते हैं। भूख लगती है तो अपनी भाषा में खाना मांगते हैं। कलरव करते हैं और दुखी होने पर वैसे ही भाव व्यक्त करते हैं। वे भी हमारे जैसे हैं। उनके भाव हमारे जैसे हैं।

*महापुरुषों का जीवन हमें यह याद दिलाता है कि हम भी अपना जीवन महान बना सकते हैं- एपीजे अब्दुल कलाम*

महिला डिप्टी रेंजर की मेहनत से क्षेत्र बना बाघों का सुरक्षित आशियाना

# प्रेम और संरक्षण से आबाद हुआ टेमरी जंगल, श्रद्धा पैकरा बनीं 'टाइगर लेडी'

जीवन में प्रेम एवं करूणा का अहम योगदान है। वेद-पुराणों में प्रेम एवं करूणा को मानव के विशेष गुण के रूप में बखान किया गया है। यह ऐसा गुण है जिसे बताने की जरूरत नहीं पड़ती। यह ऐसी सुगंध है जो स्वयं चारों तरफ बिखर जाती है। प्रेम एवं करूणा की भाषा न केवल मानव बल्कि पशु-पक्षी एवं पेड़-पौधे भी सुनते हैंऔर मधुर आवाज के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

अम्बिकापुर से अजय नारायण पाण्डेय

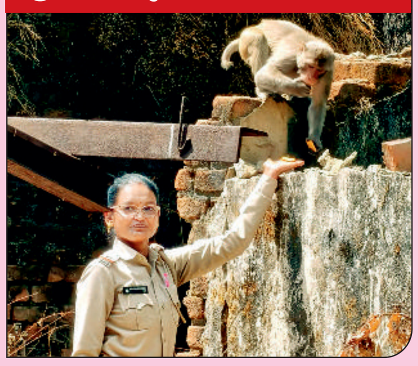

कोरिया वनमण्डल अंतर्गत टेमरी वनखण्ड में तैनात डिप्टी रेंजर श्रीमती श्रद्धा देवी पैकरा ने वन्य जीवों एवं पेड़-पौधों के प्रेम एवं वात्सल्य के बल पर टेमरी जंगल को समृद्ध बना दिया है। गुरू घासीदास टाइगर रिजर्व से सटा टेमरी जंगल अब बाघ-तेंदुआ जैसे हिंसक वन्य जीवों का स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में विकसित हो गया है। जंगल में भालू, बंदर, चौसिंघा, हिरण, कबरबिज्जू, जंगली बिल्ली, साही सहित अन्य वन्य जीवों की भी संख्या लगातार बढ़ रही है। डिप्टी रेंजर श्रद्धा देवी के प्रयासों से जंगल में मानवीय दखल कम हो गई है तथा क्षेत्र के ग्रामीण भी जंगल को समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व में क्षेत्रवासी टेमरी जंगल का उपयोग चरागाह के रूप में करते थे। मानवीय दखल बढ़ने से तेजी से वन संपदा का ह्रास हो रहा था। श्रद्धा देवी ने ग्रामीणों से निरंतर संपर्क कर उन्हें वन एवं वन्य जीवों के महत्व से परिचित कराने के साथ ही इसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। जंगल में जगह-जगह मिट्टी की मेढ बनाकर छोटे-छोटे जलस्त्रोत विकसित कराया। किसी के बीमार पड़ने पर जंगल से जड़ी-बूटी खोजकर उपलब्ध कराने लगी। वे जब भी किसी को जड़ी-बूटी देती, कहती मवेशी जंगल में जाना बंद कर दे तो किसी को भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी दौरान सितम्बर 2024 में जंगल में बाघ के पहुंचने की जानकारी मिली। हालाकि पहले भी जंगल में बाघ पहुंचता था। श्रद्धा पैकरा ने ग्रामीणों को जंगल में बाघ-तेंदुए के मौजूद होने का हवाला देकर स्वयं एवं अपने पालतू मवेशियों को जंगल में नहीं जाने देने के लिए प्रेरित किया। हिंसक वन्य जीवों के डर से मानवीय दखल कम होते ही जंगल की समृद्धि बढ़ने लगी। जंगल में कई वनौषधियां ऊग आई साथ ही समाप्ति की ओर अग्रसर बीजा, कुल्लु, साजा आदि के पौधे प्राकृतिक रूप से विकसित होने लगे।

## दो साल से मौजूद है बाघ

वन अमले की सतर्कता के साथ ही ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से टेमरी जंगल की परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। जंगल में शाकाहारी वन्य जीवों की संख्या बढ़ने के कारण बाघ एवं तेंदुए की भी संख्या बढ़ रही है। बाघ व तेंदुए टेमरी जंगल का उपयोग अपने स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में कर रहे हैं। पिछले दो सालों में 5 बाघ गुरू घासीदास टाइगर रिजर्व के रास्ते टेमरी जंगल में पहुंचे एवं जंगल में लम्बा समय गुजारा। कुछ महीने पूर्व एक बाघिन ने जंगल में दो शावकों को जन्म दिया था। वन अमले ने पूरी जिम्मेदारी के साथ शावकों की सुरक्षा की तथा उनके अनुकूल जंगल का वातावरण तैयार किया। अभी भी बाघिन अपने शावकों के साथ जंगल के सुरक्षित वातावरण में भ्रमण कर रही है। श्रद्धा पैकरा बताती हैं कि जंगल में हिंसक वन्य जीवों की आवाजाही बढ़ने के बाद जंगल में ग्रामीणों एवं पालतू मवेशियों का प्रवेश काफी कम हो गया है। मानवीय दखल कम होने से जंगल का प्राकृतिक रूप से विकास हो रहा है साथ ही वन्य जीवों के अनुकूल वातावरण तैयार हो रहा है।

## महिलाओं के लिए प्रेरणा

श्रद्धा पैकरा द्वारा किए जा रहे कार्य सभी के लिए प्रेरणादायक है। वे अपनी शासकीय जिम्मेदारी के साथ ही पारिवारिक दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही हैं। विगत दो वर्षों में वनमंडल में 5 बाघों का विचरण क्षेत्र रहा है। श्रद्धा पैकरा वन्य जीवों एवं वन सरंक्षण के प्रति जिम्मेदारी पूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। उनकी बेटी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

—श्रीमती प्रभाकर खलखो, डीएफओ, कोरिया

*मेरी माँ मेरी सबसे बड़ी शिक्षिका थी। उन्होंने मुझे मेरी क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाया और कभी हार न मानने के लिए प्रेरित किया-थॉमस एडिसन*

अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया

# परिंदों की ममता से भरा आंगन, गौरैयों की 'मां' बनीं सीमा

रायसेन से विशेष रिपोर्ट

शहर की साईं बिहार कॉलोनी, वार्ड-4 में रहने वाली सीमा मिश्रा का घर इन दिनों सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिंदों की चहचहाहट से गूंजता एक जीवंत संसार बन गया है। जहां एक ओर लोग आधुनिक जीवनशैली में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सीमा मिश्रा ने अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया है। सीमा मिश्रा ने घर में न सिर्फ लव बर्ड जैसी चिड़ियों को पाला है, बल्कि तेजी से विलुप्त होती गौरैया के संरक्षण का जिम्मा भी अपने कंधों पर उठाया है। उनके घर की गैलरी, आंगन और दीवारों पर लगे लकड़ी और गत्ते के छोटे-छोटे बॉक्स अब गौरैयों के घर बन चुके हैं।

## नाम सुनकर सीमा मिश्रा के पास चली आती है चिड़ियां

सीमा मिश्रा पक्षियों को नाम से पुकारती हैं जैसे 'नीरू', 'विभी' और आश्चर्य की बात यह है कि उनकी आवाज पहचानकर यह चिड़ियां उनके पास चली आती हैं। अगर कोई पक्षी बीमार हो जाता है, तो सीमा खुद उसकी देखभाल करती हैं। मौसम के अनुसार उनका खानपान भी तय किया जाता है। गर्मियों में उबले चावल, तरबूज, खरबूज, अंगूर और अंकुरित दाल दी जाती है। सर्दियों में बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे अनाज खिलाए जाते हैं।

## पक्षियों के लिए तैयार किए घर

गौरैयों के अलावा सीमा मिश्रा को अन्य पक्षियों का भी शौक है। उनके पास कबूतर, तोते, शेफर्ड पक्षी और रंग-बिरंगे विदेशी बर्ड्स भी हैं, जिनके लिए उन्होंने जालीनुमा सुरक्षित घर तैयार किया है। उनके खाने-पीने, उड़ने-फुदकने और नहाने की पूरी व्यवस्था वह खुद करती हैं। आज जब लोग अपने व्यस्त जीवन में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में सीमा मिश्रा जैसी महिलाएं उम्मीद की किरण बनकर सामने आती हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर मन में संवेदनशीलता हो, तो घर का एक छोटा सा हिस्सा भी जीव-जंतुओं के लिए स्वर्ग बन सकता है। मदर्स डे के अवसर पर सीमा मिश्रा सिर्फ अपने दोनों बच्चों की ही नहीं, बल्कि दर्जनों परिंदों की भी मां हैं—जो हर सुबह उनके आंगन में चहचहाकर परिंदे उनके प्यार का धन्यवाद करते हैं।

## बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव

सीमा बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव रहा है। उनका मायका नर्मदापुरम जिले में है, जहां उन्होंने अपने बचपन में घरों के आंगन और रोशनदानों में फुदकती गौरैयों को करीब से देखा। वहीं संस्कार ससुराल का मकान आज भी उनके जीवन का हिस्सा हैं। इस कार्य में उनके पति समाजसेवी प्रवीण मिश्रा का भी पूरा सहयोग मिलता है। सीमा मिश्रा सिर्फ पक्षियों को आश्रय ही नहीं देतीं, बल्कि उनकी देखभाल एक मां की तरह करती हैं।

हर घायल जीव को मां की तरह दुलार देती है बिलासपुर की निधि तिवारी

# जानवरों-परिंदों की मसीहा बनीं निधि, घर में बना दिया शेल्टर

पेड़ से गिरा बंदरङ्घ या फिर बीमारी से तड़पता कोई लावारिस जानवर या फिर कोई बेबस परिंदा... ज्यादातर लोग ऐसे दृश्य देखकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन बिलासपुर की निधि तिवारी के लिए किसी बेजुबान की पुकार होती है। कुदूदंड शिव चौक निवासी निधि तिवारी पिछले कई वर्षों से घायल, बीमार और लावारिस जानवरों की सेवा में जुटी हैं। पहले उन्होंने अपने घर को ही इन असहाय जीवों का आश्रय बनाया और अब अमेरी में एक बड़ा शेल्टर होम संचालित कर रही हैं। यहां बंदर, बिल्ली, सूअर, गाय समेत 150 से अधिक जानवरों की देखभाल की जा रही है।

बिलासपुर से विकास चौबे

*मनुष्य जीवन में एक स्थान ऐसा चाहता है जहाँ तर्क, विचार और विवेचना न रहे, रहे केवल श्रद्धा...संभवत: इसी कारण माँ का सृजन हुआ होगा-सुभाष चन्द्र बोस*

निधि जानवरों की सेवा ऐसे करती हैं, जैसे कोई मां अपने बीमार बच्चों की सेवा करती है। वे घायल जानवरों को खुद रेस्क्यू कर घर लाती हैं, उनका इलाज कराती हैं और ठीक होने तक पूरी देखभाल करती हैं। वे बताती हैं कि कई बार लोगों से सूचना मिलती है कि कोई जानवर सड़क पर घायल पड़ा है। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच जाती हैं। कई मामलों में पुलिस और वन विभाग की मदद भी लेनी पड़ती है। एक घटना याद करते हुए निधि बताती हैं कि एक मंदिर में बकरे की बलि दी जा रही थी। उसे बचाने के लिए उन्होंने काफी प्रयास किया। स्थानीय मदद नहीं मिलने पर उन्होंने मेनका गांधी से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस की सहायता से बकरे को बचाया जा सका।

## पूरा परिवार बन गया बेजुबानों का सहारा

निधि कहती हैं कि जानवरों की सेवा की प्रेरणा उन्हें अपनी मां से मिली। अब पूरा परिवार इस सेवा में साथ खड़ा है। पिता और भाई रोज जानवरों के खाने की व्यवस्था करते हैं। घर की तीनों मंजिलों में अलग-अलग जानवर रहते हैं। बंदरों के लिए अलग फल, कुत्तों के लिए विशेष आहार, बकरों और गधों के लिए अलग व्यवस्था की जाती है। इलाज के बाद बंदरों को फिर जंगल में छोड़ दिया जाता है।

## इलाज में लाखों खर्च, फिर भी नहीं डिगा हौसला

निधि के अनुसार कई घायल जानवरों के इलाज में 25 से 30 हजार रुपए तक खर्च हो जाते हैं। हर महीने लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए जानवरों के इलाज, भोजन और देखभाल में खर्च होते हैं। वे बताती हैं कि उनके इंस्टाग्राम पेज से एक लाख से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं, जिनसे कभी-कभी आर्थिक मदद मिल जाती है। बाकी खर्च परिवार खेती की आय से उठाता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

# तितलियों की मां बन गई हैं ये 'दीदियां'

## अंडों से उड़ान तक, हर नन्हे रंग को अपनी ममता की छांव में पाल रही हैं...यह मांएं

महेंद्र विश्वकर्मा : जगदलपुर

बस्तर की तितली दीदियां...जिन्होंने प्रकृति की सबसे नाजुक और रंगीन बच्चों को अपनी ममता की छांव दी है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में यशोदाएं नन्ही तितलियों के लिए किसी 'मां' से कम नहीं हैं। कोख की सीमाओं से परे, इन युवतियों ने तितलियों के अंडे से लेकर उनके कैटरपिलर और फिर खूबसूरत पंख आने तक के पूरे सफर को मां जैसी सुरक्षा और समर्पण से सींचा है। दुर्लभ मातृत्व बस्तर की जैव-विविधता को नए भाव दे रहा है। वहां की खूबसूरती देखकर इंसानियत और कुदरत, एक दूजे की बाहों में मुस्कराते नजर आते हैं।

### नाजुक पंखों की 'ढाल' बनीं ये बेटियां

कांगेर घाटी के घने जंगलों में जब सूरज की पहली किरण पड़ती है, तो मनीषा नाग और उनकी सखियां उन पौधों की देखरेख में जुट जाती हैं, जहां नन्हीं तितलियों का बसेरा है। इन्होंने केवल पौधे नहीं लगाए, बल्कि तितलियों के जीवन चक्र को बचाने की जिम्मेदारी उठाई है। ये 'तितली दीदियां' जानती हैं कि कब अंडे से लार्वा निकलेगा और कब उसे पोषण की जरूरत होगी। एक मां की तरह ये सुनिश्चित करती हैं कि उनके इलाके में तितलियों के लिए मकरंद (रस) से भरे फूल हमेशा खिलते रहें। ▸▸ शेष पेज 8 पर

### हिमालय का बस्तर से 'रेशमी' रिश्ता

शोध बताते हैं कि हिमालयन वैली का उड़ीसा के ईस्टर्न घाट के जरिए बस्तर से गहरा जुड़ाव है। 'हिमालयन वैगरेंट' बटरफ्लाई को मध्य भारत में 148वीं प्रजाति के रूप में रिकॉर्ड किया गया है, और कांगेर नेशनल पार्क की 'ममत्व भरी छांव' में इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

### ममता की छांव में खिलते पंख

मनीषा बताती हैं, ये हमारे लिए सिर्फ कीट नहीं, हमारे बच्चे हैं। जब एक तितली अपने पंख फैलाकर पहली उड़ान भरती है, तो हमें वही खुशी होती है जो एक मां को अपने बच्चे को पहला कदम चलते देखकर होती है।

*माँ का प्यार सबसे ऊंचा, निर्विशेष और अनपेक्षित प्यार होता है। –नेल्सन मंडेला*

### स्मिता मुस्कुराकर कहती हैं

"उनके बीच रहकर लगता है, यही मेरा असली संसार है।"

# बंदर और परिंदों की मां कहती है, यही मेरे जीवन का असली संसार

*कांकेर की स्मिता खटवानी ने घर को बनाया परिंदों का आशियाना, हर गर्मी में बांटती हैं घोंसले और पानी के बर्तन*

विजय पाण्डेय ▸▸| कांकेर

भागदौड़ और शोर से भरी जिंदगी के बीच कांकेर में एक ऐसा घर भी है, जहां सुबह अलार्म से नहीं, चिड़ियों की चहचहाहट से होती है। आमापारा निवासी स्मिता खटवानी का घर अब पक्षियों और बेजुबान जीवों का आशियाना बन चुका है। लोग उन्हें अब "जीवों की मां" कहकर पुकारने लगे हैं। पशु-पक्षियों और वन्य जीवों के प्रति उनका प्रेम किसी शौक तक सीमित नहीं, बल्कि संवेदना और संरक्षण की ऐसी मिसाल है, जिसने आसपास के लोगों को भी प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। स्मिता बताती हैं कि उनका बचपन कांकेर से करीब 20 किलोमीटर दूर सरोना में बीता। वहां हरियाली, पेड़-पौधे और पक्षियों की आवाजें उनके जीवन का हिस्सा थीं। लेकिन परिवार के कांकेर आकर बसने के बाद उन्हें सबसे ज्यादा कमी उन्हीं परिंदों की महसूस हुई। तभी उन्होंने तय किया कि अपने नए घर को भी पक्षियों का बसेरा बनाएंगी। उन्होंने घर के आसपास हरियाली विकसित की, छत पर दाना-पानी रखना शुरू किया और धीरे-धीरे गौरेया, कबूतर, तोता, कोयल समेत कई पक्षियों ने उनके घर को अपना ठिकाना बना लिया। ▸▸ शेष पेज 8 पर

### भीषण गर्मी में बनीं बेजुबानों की उम्मीद

गर्मी के दिनों में जब इंसान तक पानी के लिए परेशान हो जाते हैं, तब स्मिता बेजुबान पक्षियों के लिए उम्मीद बनकर सामने आती हैं। वे हर साल लोगों को निःशुल्क लकड़ी के घोंसले और पानी के बर्तन वितरित करती हैं, ताकि शहर में पक्षियों को सुरक्षित ठिकाना मिल सके। उनका कहना है कि उद्देश्य सिर्फ पक्षियों को दाना-पानी देना नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और प्रकृति प्रेम की भावना जगाना है।

*मुझे जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मेरी माँ के कारण ही है। –जॉर्ज वाशिंगटन*

आनंद का सच्चा भाव

| | |
|---|---|
| 18 कैरेट रेट (75.00%) | ₹103903/- |
| 22 कैरेट रेट (91.60%) | ₹126900/- |
| 24 कैरेट रेट (99.99%) | ₹138523/- |

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

### राज्यपाल से मिली हरी झंडी विजय की आज ताजपोशी

**चेन्नई।** तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चल रही उथल-पुथल मची अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। टीवीके के प्रमुख सी. जोसेफ विजय कल राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 120 विधायकों के समर्थन के साथ सरकार बनाने का अपना दावा पेश कर दिया।

## शुभेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, बांग्ला में ली शपथ

# मोदी राज में भाजपा का स्वर्णिम युग पश्चिम बंगाल में शुभेंदु को कमान

*पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया। बंगाल में शनिवार को भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार का गठन किया। इसके साथ ही 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बंगाल 9वां राज्य बन गया है, जहां भाजपा ने पहली बार मुख्यमंत्री पद हासिल किया है।*

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। शुभेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को झुककर प्रणाम किया। शुभेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। स्वतंत्रता के बाद पहली बार ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण का गवाह बना। शपथग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री विशाल मंच पर मौजूद थे। 'जय श्री राम' के उद्घोष, ढोल की थाप और लहराते भगवा झंडों के बीच राज्यपाल आर. एन. रवि ने अधिकारी को ▸▸ शेष पेज 8 पर

**दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक बने मंत्री**

## मुख्यमंत्री के साथ ही पांच मंत्रियों ने ली शपथ, पीएम रहे मौजूद

### समारोह स्थल पर लहराया भगवा

शनिवार को यही मैदान स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथग्रहण का स्थल बना। भाजपा खेमे ने इसे 'डबल इंजन' सरकार के तहत 'सोनार बांग्ला' की शुरुआत के रूप में पेश किया। भगवा गमछा पहने और पार्टी के झंडे लिए हजारों कार्यकर्ता सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर जुटने लगे। बड़े एलईडी स्क्रीन पर मोदी और अधिकारी के चुनावी भाषण दिखाए गए। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के साथ ही मैदान क्षेत्र में 'भारत माता की जय' के नारे गूंज उठे।

### शपथ के बाद टैगोर के पैतृक आवास गए शुभेंदु

पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शपथग्रहण समारोह के तुरंत बाद नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास जोरासांको ठाकुरबाड़ी पहुंचे और उन्होंने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभालने से पहले महान कवि को पुष्पांजलि अर्पित की।

### बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय : साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने को राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय करार देते हुए शनिवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार के तहत पश्चिम बंगाल विकास की नयी ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बदलाव की लोगों की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा अब पूरी हो गई है। साय कोलकाता में आयोजित शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और बाद में उनसे मुलाकात भी की। साय ने शुभेंदु और पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में शामिल सभी नए मंत्रियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। बयान में साय के हवाले से कहा ▸▸ शेष पेज 8 पर

### मोदी ने माखनलाल सरकार के पैर छुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार के शपथग्रहण समारोह में पार्टी के 98 वर्षीय वरिष्ठ नेता माखनलाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। भाजपा ने कहा कि सरकार को 1952 में कश्मीर में उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह वहां भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ थे। पार्टी ने एक बयान में कहा, सरकार, स्वतंत्रता के बाद भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी कार्यकर्ताओं में से एक हैं।

### योगी ने शुभेंदु को भगवा पहनाया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाया। आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया।

## असम की डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन चैंपियन ऑफ द अर्थ

# सारस की मां, घायलों का इलाज, चूजों के आगमन का जश्न

- ▸▸ ये सेना घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं
- ▸▸ पूर्णिमा को व्हिटली गोल्ड अवार्ड (जिसे अक्सर ग्रीन ऑस्कर कहा जाता है) और नारी शक्ति पुरस्कार , जो भारत का महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, से सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गुवाहाटी (असम)

चैंपियन ऑफ द अर्थ पुरस्कार विजेता डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, जब बच्ची ही थीं, तब से ही उन्हें सारस पक्षी (ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क) से लगाव हो गया था, जो आगे चलकर उनके जीवन का जुनून बन गया। पांच साल की उम्र में बर्मन को असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे अपनी नानी के साथ रहने के लिए भेज दिया गया। माता-पिता और भाई-बहनों से बिछड़कर वह बच्ची बेहद दुखी हो गई। उसका ध्यान भटकाने के लिए, बर्मन की नानी, जो एक किसान थीं, उसे पास के धान के खेतों और आर्द्रभूमि में ले जाने लगीं ताकि उसे वहां के पक्षियों के बारे में सिखा सकें। वे बताती हैं कि मैंने सारस और कई अन्य प्रजातियों को देखा। उन्होंने मुझे पक्षियों के गीत सिखाए। उन्होंने मुझसे बगुले और सारसों के लिए गाने को कहा। मुझे पक्षियों से प्यार हो गया। डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट ▸▸ शेष पेज 8 पर

## 10,000 महिलाओं की एक जमीनी स्तर की हरगिला सेना का गठन किया

### हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र भी बना रहीं महिलाएं

बर्मन ने महिलाओं को बुनाई के करघे और धागा उपलब्ध कराने में भी मदद की है ताकि वे हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र बना और बेच सकें। यह उद्यमशीलता न केवल पक्षी के प्रति जागरूकता फैलाती है, बल्कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी योगदान देती है, उनकी आजीविका को बढ़ावा देती है और सारस को बचाने के अपने काम में गर्व और स्वामित्व की भावना पैदा करती है। बर्मन द्वारा संरक्षण कार्यक्रम शुरू करने के बाद से, कामरूप जिले के दादरा, पचरिया और सिंगिमारी गांवों में घोंसलों की संख्या 28 से बढ़कर 250 से अधिक हो गई है।

*मुझे अच्छी माँ दो, मैं तुम्हें एक अच्छा राष्ट्र दूँगा–नेपोलियन बोनापार्ट*

## वनांचल से निकला हीरा, आईएफएस में चयनित अजय गुप्ता बने मिसाल

# माता-पिता कभी जंगल में महुआ-तेंदूपत्ता चुना करते थे, अब बेटा इन जंगलों की करेगा रक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायगढ़

माता पिता जंगल में पहले महुआ बीनते थे, तेंदूपत्ता चुनते थे, उनका साथ बेटा भी देता था। अब वही बेटा अजय आईएफएस अफसर बनकर उसी जंगल की रक्षा करेगा। संबलपुरी निवासी अजय गुप्ता ने आईएफएस की कठिन परीक्षा पास की है। इसकी जानकारी जब गांव वालों को हुई तो आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। अजय उस दौर को याद करते हुए बताते हैं कि माता-पिता अधिक शिक्षित नहीं थे, लेकिन उन्होंने बच्चों की शिक्षा को ही अपना लक्ष्य माना। छुट्टियों के दौरान अजय स्वयं जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ इकट्ठा करने में माता-पिता की मदद करते थे। अभावों के बीच भी उन्होंने 10वीं में 92.66 प्रतिशत और 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी योग्यता का परिचय दिया था। अजय की इस ▸▸ शेष पेज 8 पर

### गांव और मित्रों ने लगाया तिलक

जब अजय गांव पहुंचे तो परिजनों, ग्रामीणों और मित्रों ने उसका तिलक किया और आशीर्वाद दिया। दोस्तों में खुशी ठिकाना नहीं है, परिजनों को विश्वास नहीं हो रहा है और ग्रामीणों को लग रहा है यह सपना है, लेकिन यह हकीकत उनके सामने है। मिठाई बंट रही है, खुशियां मनाई जा रही है, पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है।

### छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के अजय गुप्ता को भारतीय वन सेवा (IFS) में चयनित होने पर बधाई देते हुए कहा कि अजय ने न केवल अपने माता-पिता का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक ऐसा युवा जिसने स्वयं जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रहित किया, आज उन्हीं वनों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने जा रहा है। हमारी सरकार की 'लघु वनोपज संघ छात्रवृत्ति' और 'पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' जैसी योजनाओं ने अजय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की राह आसान की है। अजय की उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही अवसर मिलने पर हमारे ग्रामीण अंचल के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपना स्थान सुनिश्चित कर सकते हैं।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
छत्तीसगढ़ शासन

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

# सोमनाथ

## विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

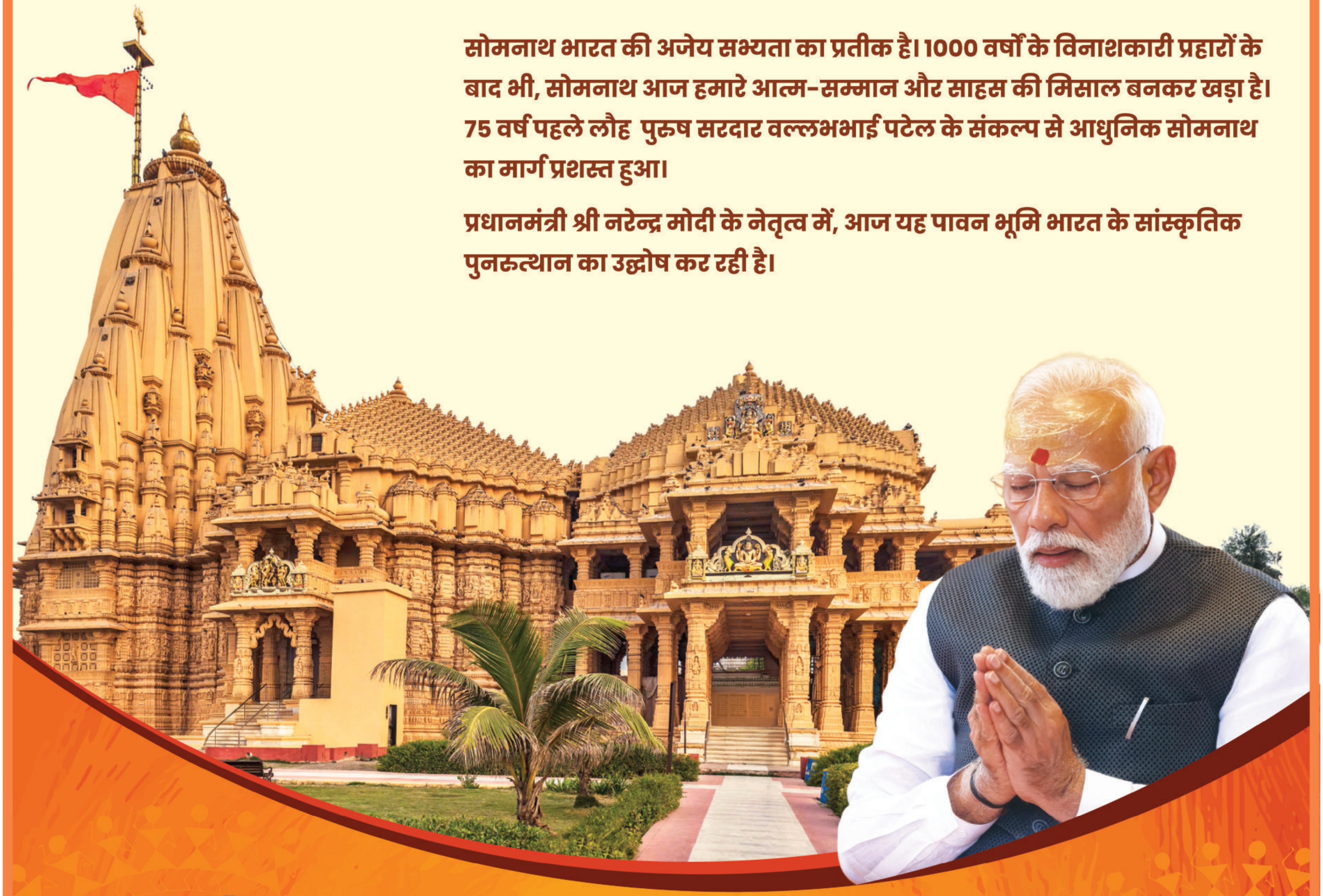

"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
— प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी —
(अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर
प्रभास पाटन

8 से 11 मई, 2026

सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संजय के दीक्षित

## तरकश

### महतारी कलेक्टर

प्रशासनिक सर्जरी में सरकार ने ब्यूरोक्रेसी की महतारियों का सम्मान बढ़ाया है। बुधवार को सात जिलों में नए कलेक्टर पोस्ट किया गया, उनमें पांच महिलाएं हैं। इन पांच को मिलाकर छत्तीसगढ़ में अब 10 महतारी कलेक्टर हो गई है। राज्य बनने के बाद यह पहला मौका है, जब कलेक्टरी में महिलाओं की संख्या 10 टच कर गया है। इससे पहले रमन सिंह की तीसरी पारी में एक समय महिला कलेक्टरों की संख्या छह हुई थीं। हालांकि, राज्य निर्माण के 13-14 साल तक महिला आईएएस की संख्या काफी कम थीं, इसलिए इक्का-दुक्का महिला कलेक्टर होती थीं। इस समय ब्यूरोक्रेसी की जो माताएं कलेक्टर हैं, उनमें प्रतिष्ठा ममगई बेमेतरा, नुपूर राशि पन्ना कोंडागांव, नम्रता जैन नारायणपुर, रेना जमील सूरजपुर, चंदन त्रिपाठी बलरामपुर, दिव्या मिश्रा बालोद, तुलिका प्रजापति मानपुर मोहला, रोक्तिमा यादव कोरिया, संतन देवी जांगड़े एमसीबी और पदमिनी भोई सारंगढ़ शामिल हैं।

### लोकल अफसरों को वेटेज

वैसे तो ऑल इंडिया सर्विस का लेवल चिपकने के बाद जाति, धर्म और क्षेत्र गौण हो जाता है। फिर भी यह पहली बार हुआ...राज्य सरकार ने बीते बुधवार को सात जिलों में नया कलेक्टर पोस्ट किया, उनमें से चार लोकल अधिकारियों को अवसर दिया। चारों अफसरों की जड़े छत्तीसगढ़ में है और वे राज्य प्रशासनिक सेवा से प्रमोट होकर आईएएस बने हैं। इसके साथ लोकल याने प्रमोटी आईएएस कलेक्टर की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। आरआर वालों को जरूर इससे झटका लगा होगा। मगर स्टेट वाले आईएएस खुश हैं...पिछली सरकार में भी प्रमोटी आईएएस को इतनी संख्या में कलेक्टर नहीं बनाया गया।

### एक और लिस्ट

42 आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट देखने से प्रतीत होता है कि उसे बनाने में काफी दिमाग दौड़ाया गया होगा। फेरबदल में प्रशासनिक एंगल के साथ अगले विधानसभा चुनाव को देखते पॉलिटिकिल तड़का भी लगा। खैर, कलेक्टरों की एक छोटी लिस्ट और आएगी। कांकेर कलेक्टर नीलेश श्रीरसागर डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। राज्य सरकार ने उन्हें एनओसी दे दिया है। सो, इस महीने के अंत या अगले महीने के फर्स्ट वीक तक उन्हें केंद्र में पोस्टिंग मिल जाएगी। लिहाजा, उनकी जगह कांकेर में किसी आईएएस को पोस्ट किया जाएगा। जाहिर है, कांकेर बड़ा जिला है, इसलिए कम-से-कम दो-एक जिले की कलेक्टरी किए हुए आईएएस को ही प्राथमिकता मिलेगी। याने एक छोटी लिस्ट और निकलेगी।

### राप्रसे ट्रांसफर पर ब्रेक?

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट काफी दिनों से प्रतीक्षित है। बताते हैं, मई में एक लिस्ट निकलनी थी। मगर उससे पहले बिचौलियों ने वसूली शुरू कर दी। राप्रसे अधिकारियों को यह कहकर भ्रमित किया गया कि लिस्ट तैयार हो रही है, किसी भी दिन निकल जाएगी। इसकी सूचना सरकार को मिल गई। लिहाजा, सरकार ने फिलहाल इस पर ब्रेक लगा दिया है। वैसे जानकारों का कहना है कि राप्रसे की कोई लिस्ट बनी नहीं है। तोरी करने के लिए भ्रम फैलाया गया। बहरहाल, अब जो ट्रांसफर होंगे, काफी ठोक बजाकर किए जाएंगे। मगर कब होंगे? सरकार ही बता पाएगी।

### बेबस मिनिस्टर

सिस्टम में कुछ ऐसे खटराल लोग बैठ गए हैं, जिनसे मई मंत्री भी विवश महसूस कर रहे हैं। बात परिवहन विभाग की है। इसमें हर छह महीने में इंस्पेक्टरों का रोटेशन किया जाता है। एक बार मार्च में और दूसरा सितंबर में। ये सालों से चला आ रहा है। इस बार परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने करीब 100 इंस्पेक्टरों के रोटेशन को अनुमोदित करके नोटशीट नीचे भेजा। परिवहन सचिव ने भी हर बार की तरह उसे अनुमोदित कर दिया। मगर किन्हीं अज्ञात शक्तियों ने आदेश निकलने से रोक दिया। मई शुरू हो गया है, अभी कोई बताने वाला नहीं है कि रोटेशन आदेश क्यों रोका गया, किसने रोका? और उस रोटेशन का क्या होगा? जो राज्य बनने के समय से एक प्रचलित नियम बन गया था। केदार कश्यप के फॉरेस्ट में भी यही हाल है। प्रोबेशनर एसडीओ ट्रेनिंग के बाद महीने भर से पोस्टिंग की आस में बैठे हैं, मगर उनके आदेश का कोई अता-पता नहीं है।

### दो महिला मंत्री?

अगले महीने के लास्ट तक विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार होना लगभग तय समझा जा रहा है। इसमें कई मंत्रियों के विभाग बदलेंगे। चार मंत्रियों की विदाई होगी...सरगुजा संभाग के दो मंत्रियों के पत्ते कटने की भी खबरें हैं। अलबत्ता, बीजेपी की महिला विधायकों की लाटरी लगने वाली है। मंत्रिमंडल में 15 परसेंट की लिमिट तय होने के बाद से सूबे में चाहे किसी की भी सरकार रही हो, हमेशा एक महिला मंत्री रहीं। मगर अब इसकी संख्या बढ़ाकर कम-से-कम दो किया जाएगा। यदि अच्छा फेस मिले तो तीन भी संभव है। पूर्व मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल न करने का कंडिशन अगर हटाया जाएगा तो बस्तर से लता उसेंडी भी एक तगड़ा दावेदार हो सकती हैं। उनसे आदिवासी और महिला, दोनों कोटा कंप्लीट होगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा अगर संगठन में गए तो फिर भावना बोथरा के नाम पर विचार हो सकता है। या हो सकता है बीजेपी किसी और को सामने लाकर चौंका दें।

### कांग्रेस में उठापटक

भूपेश बघेल खेमे ने चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी सिंहदेव गुट को मात देते हुए विधायक संगीता सिनहा को प्रदेश महिला कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करा लिया। देर-सबेर संगीता अध्यक्ष भी घोषित हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। उधर, खबर है कि कांग्रेस में 15 मई के बाद कुछ बड़ा होने वाला है। नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की भी नियुक्ति हो सकती है। चूकि अगले विधानसभा चुनाव में अब दो साल बच गया है। सो, इस समय जो कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा, उसी की अगुआई में चुनाव लड़ा जाएगा। उधर, खबर है कि लगातार हार के बाद कांग्रेस अब जमीनी नेताओं को पार्टी में ज्यादा वेटेज देना चाहती है। भूपेश को हो सकता है, केंद्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल जाए। केंद्र में वे अगर ताकतवर होंगे तो जाहिर है छत्तीसगढ़ में भी कोई उनका अपना आदमी ही मजबूत होगा।

### अफसरशाही में जातिवाद

जाति का वायरस अब तक सियासत में ही घुसा था, मगर अब छत्तीसगढ़ की अफसरशाही भी अछूती नहीं रही। जिलों में कलेक्टर, एससपी भी एसडीएम, एसडीओपी और थानेदारों की पोस्टिंग में इस सिंड्रोम के शिकार दिख रहे हैं। स्थिति यह हो चली है कि सूबे में कर्मचारियों, अधिकारियों की योग्यता की पैमाना अब कास्ट हो गया है। कोई खास वर्ग का मुलाजिम है तो गंभीर श्रेणी की गल्ती करने पर भी कार्रवाई नहीं होगी। राज्य की प्रगति की दृष्टि से यह सही नहीं है। सरकारी दफ्तर जात-पात और धर्म से मुक्त होना चाहिए। छत्तीसगढ़ के सिस्टम में करप्शन और मनमौजीपन बढ़ने के पीछे इस वायरस की बड़ी भूमिका है।

### कौवा कान ले गया

छत्तीसगढ़ के कर्मचारी किसी प्रायवेट समिति, संगठन के सदस्य नहीं हो सकते। छत्तीसगढ़ सरकार के इस आदेश पर पिछले दिनों इतना कोहराम मचा कि जीएडी को अपना आदेश वापिस लेना पड़ा। जबकि, जिस संघ के कंधे पर बंदूक रख सरकार को निशाने पर लेने की कोशिशें हुई, उसमें फैक्ट यह है कि विष्णुदेव साय सरकार के अस्तित्व में आने के तुरंत बाद जीएडी ने एक आदेश निकालकर सरकारी कर्मचारियों को संघ के कार्यक्रमों में जाने के लिए फ्री कर दिया था। सरकारी सिस्टम को समझने वालों को पता है कि जब तक कोई आदेश लिखित में निरस्त नहीं होता, तब तक वह स्टैंड रहता है। संघ में जाने वाला 2014 का आदेश निरस्त नहीं हुआ, इसलिए वह लागू है। मगर कौवा कान ले गया...सिस्टम पर हमले करने में संघ के मौसमी कार्यकर्ता पिल पड़े। सोशल मीडिया में इस पर लंबे-लंबे पोस्ट लिखे गए। जाहिर है, संघ के ओरिजिनल लोग कभी दिखावा नहीं करते कि वे संघ वाले हैं। एमपी के दिनों में दिग्विजय सिंह सरकार ने भी सिर्फ आदेश निकाला था...कभी सख्ती नहीं बरती। उस दौरान भी कर्मचारी, अधिकारी संघ के कार्यक्रमों में जाते रहे। बहरहाल, अंदरखाने की बात यह है कि सरकारी मुलाजिमों में अनुशासन का वातावरण बनाने उपर के अफसरों ने एक सामान्य आदेश निकालने कहा, उसे तिल का ताड़ बना दिया गया। इससे नुकसान सिस्टम का हुआ। आदेश वापस लेने की कड़ी में एक संख्या का इजाफा हो गया। अब आप पूछेंगे, मौसमी कार्यकर्ता? ये वो नस्ल है जो अपनी सुविधा से वामपंथी, कांग्रेसी और संघी बन जाता है। अभी कई कार्यक्रमों में ये मौसमी कार्यकर्ता बिना बुलाए भी पहुंच जा रहे।

### ट्रांसफर पर पेंच?

एक विभाग में ट्रांसफर के लिए एक हजार से अधिक की लिस्ट सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा गया। असल में, ढाई सौ से अधिक नामों की सिफारिश संगठन के एक बड़े नेता ने की है। इसके अलावा बड़ी संख्या में विधायक, सांसद और दीगर नेताओं के लोग भी हैं। मंत्री ने अपना पल्ला झाड़ते हुए लिस्ट को उपर भेज दिया। ट्रांसफर पर बैन के दौरान इतनी बड़ी लिस्ट देख सरकार में बैठे लोगों का सिर चकरा गया। फिलहाल, उपर से इस पर ब्रेक लग गया है।

### मंत्री के चेले का होटल

सरगुजा से ताल्लुकात रखने वाले एक नेताजी पिछली कांग्रेस सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री थे। उनके साथ चेला के तौर पर रहने वाला एक युवक ने इतना कुछ अर्जित कर लिया कि मंदिर रायपुर में बड़ा होटल बनवा रहा है। जब वह पीए, स्टाफ जैसे किसी पद पर नहीं था, तो ये हाल है। नए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को अलर्ट रहना चाहिए। स्कूल शिक्षा भले ही चमक-धमक वाला विभाग नहीं माना जाता, मगर मैनपावर सर्वाधिक है। इस विभाग के जेडी, डीईओ तो बड़ा पद है...उनके ऑफिस के बाबू मोटे आसामी बन गए हैं। आखिर कौन ऐसा खेला होगा, जो स्कूल शिक्षा में नहीं होता। डीईओ द्वारा शिक्षकों के निलंबन और बहाली के मिला जुला खेल से खुद स्कूल शिक्षा मंत्री भी चिंतित हैं। जाहिर है, जब तक डीईओ, बीईओ ठीक नहीं होंगे, तब तक स्कूल शिक्षा को बदनामी से नहीं बचाया जा सकेगा।

### हॉफ की डीपीसी

गुरूवार को मंत्रालय में हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स की डीसीपी आयोजित थी। मगर पता चला ऐन वक्त पर बैठक टल गई। बताते हैं, डीपीसी में एसीएस फॉरेस्ट ऋचा शर्मा मेंबर थीं। मगर एक दिन पहले ही उनका विभाग बदल गया। उसके बाद उन्होंने डीपीसी में शामिल होने से मना कर दिया। कमेटी में अगर बिना नाम पदेन मेंबर लिखा गया होता तो नए एसीएस फॉरेस्ट मनोज पिंगुआ डीपीसी में बैठ सकते थे। इसलिए मामला गड़बड़ा गया। हालांकि, सीएस, पीसीसीएफ थे, तो डीपीसी की जा सकती थी। बहरहाल, डीपीसी टलने के बाद अब भांति-भांति की अटकलों का दौर शुरू हो गया है...किसी ताकतवर शक्ति की बातें भी।

### हफ्ते का कोट

दूघ, दही, छाछ, मक्खन, घी सब एक वंश के, फिर भी सबकी कीमत अलग-अलग...क्योंकि श्रेष्ठता जन्म से नहीं, अपने कर्म, कला और गुणों से प्राप्त होती है और कुछ समस्याएं हमारे पास है, सोचकर सदा दुखी होने से अच्छा है, यह सोचकर खुश होना कि दुनिया में बहुत समस्याएं हैं, जो हमारे पास नहीं है।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. प्रशासनिक मुखिया ने कलेक्टरों के व्हाट्सएप ग्रुप में किस कलेक्टर के बारे में लिखा...बिना इजाजत इधर-उधर घूमते रहते हैं?

2. क्या ये सही है कि ट्रांसफर के लिए अब सिर्फ रोकड़ा काफी नहीं, एप्रोच भी चाहिए...दोनों होंगे तभी कामयाबी मिलेगी?

## कैट की प्रदेश स्तरीय टीम में वरिष्ठ नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कैट द्वारा छत्तीसगढ़ में संगठन को और अधिक मजबूती देने और प्रभावशाली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश के वरिष्ठ व्यापारियों को प्रदेश नेतृत्व में अहम जिम्मेदारी दी गई है। विक्रम सिंहदेव और जितेंद्र दोषी को कैट का प्रदेश चेयरमैन बनाया गया है। वहीं राजेंद्र जग्गी, वासू माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी और शंकर बजाज को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी की अनुशंसा और प्रदेश कोर कमेटी की सहमति एवं मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ इकाई के नए वरिष्ठ पदाधिकारियों की आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लेकर मनोनयन किया गया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि संगठन के विस्तार और व्यापारी हितों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के मकसद से नियुक्तियां की गई। उन्होंने कहा कि नवगठित टीम स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय मंच तक व्यापारियों की समस्याओं और उनकी मांगों को प्रभावी रूप से उठाने में अहम भूमिका निभाएगी।

## मोबाइल लत का बच्चों पर पड़ रहा बुरा असर, मां की फटकार से आठ साल का बेटा घर से भागा

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। मोबाइल चलाने से मना करने पर एक आठ साल का बच्चा नाराज होकर घर से चला गया। तीन दिन के बाद भी बच्चे की जानकारी नहीं मिलने पर उसके पिता ने थाना में अपने बेटे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की टीम बच्चे के जाने के संभावित जगहों पर जाकर पतासाजी कर रही है। माता-पिता अपने सभी रिश्तेदारों से संपर्क कर अपने बेटे के बारे में पतासाजी कर रहे हैं, बावजूद इसके अब तक उसका कहीं पता नहीं चला है। हीरापुर में रहने वाले आनंद सिंह का बेटा प्रांजल घर से गायब है। प्रांजल के पिता के अनुसार उनके बेटे ने क्लास थर्ड की परीक्षा दिलाई है। प्रांजल पढ़ाई में काफी इंटेलिजेंट है। गर्मी की छुट्टी होने की वजह से वह घर पर ही रह रहा था। घर में रहने के दौरान वह पूरे समय मोबाइल में गेम खेलने के साथ रील देखने का काम कर रहा था। उसकी उम्र को देखते हुए उसकी मां बेटे को ज्यादा मोबाइल चलाने से मना करती थी। बावजूद इसके प्रांजल पूरे दिन मोबाइल में लिप्त रहता था। इससे नाराज होकर प्रांजल को उसकी मां ने फटकार लगाते हुए थप्पड़ जड़ दिया। मां की फटकार और थप्पड़ से नाराज प्रांजल छह मई को घर छोड़कर चला गया।

### बच्चा सुरक्षित पर चिंता का विषय

प्रांजल को लेकर कबीर नगर थाना के टीआई से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि बच्चे को आसपास के लोगों ने अपने स्कूल वामन राव लाखे स्कूल के आसपास घूमते हुए देखा है। बच्चे को लेकर चिंता का विषय यह है कि वह अब तक अपने घर नहीं पहुंचा है। बच्चे के जहां-जहां होने के बारे में पुलिस को जानकारी मिल रही है। पुलिस उन जगहों पर जाकर बच्चे की पतासाजी करने का प्रयास कर रही है। मनो स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. डीएस परिहार के अनुसार मोबाइल का अत्यधिक उपयोग करने से पांच से दस साल के बच्चों के मानसिक, शारीरिक और व्यवहारिक विकास पर गंभीर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

**देश के पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। इन चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। जाहिर तौर पर विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। स्पष्ट रूप से कहें तो भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।** ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# विस चुनाव : ध्रुवीकरण बना अहम फैक्टर

**विश्लेषण**

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। वर्तमान चुनाव परिणामों का पहला स्पष्ट संदेश तो यह है कि भारतीय राजनीति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का प्रभाव कम हो गया है। अब 'एम' पर 'एच' हावी हो रहा है। कम से कम पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणाम तो इसकी ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे बताते हैं कि हिंदू वोटों के एकीकरण ने 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के प्रभाव को तेजी से बेअसर किया है।

**पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है। केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।**

## हिन्दू वोटों में एकजुटता

बीजेपी विरोधी पार्टियों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और डीएमके की हिंदू-विरोधी नीतियों और बयानों ने इस भावना का तेजी से प्रचार-प्रसार किया है। पहले हिंदू मतदाता बंटे हुए थे, लेकिन समय के साथ वे बीजेपी के पीछे एकजुट हो गए। इस एकजुटता ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बीजेपी की जीत में योगदान दिया है, जहां कभी 'एम-वाई' फैक्टर निर्णायक भूमिका निभाता था। असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत ने हिंदू एकीकरण को और मजबूत किया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने लगातार अपना जनाधार बढ़ाया है, जिससे वामपंथी और कांग्रेस हाशिए पर चले गए हैं। लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीतिक प्रवृत्ति, गैर-बीजेपी दलों के बीच मुस्लिम

समुदाय के प्रति झुकाव की रही है। इसमें 35 वर्षों का वामपंथी शासन और फिर पिछले 15 वर्षों में सत्तारूढ़ रही ममता बनर्जी की टीएमसी का है। असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणाम स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि हिंदू विरोधी नीतियां राजनीतिक रूप से अब उलटी पड़ सकती हैं।

## टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस

तमिलनाडु में भी जिस डीएमके ने हिंदू-विरोधी रुख अपनाया, उसको जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2026 के चुनावों के दौरान एक्टर विजय की नवगठित पार्टी टीवीके ने इस तरह की छवि से परहेज किया और नतीजे बताते हैं कि उनकी पार्टी को हिंदुओं के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सुपरस्टार विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस पारंपरिक पार्टियों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु के नतीजों का स्पष्ट संदेश है कि अगर स्थापित पार्टियां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं तो मतदाता बिना किसी राजनीतिक बोझ के नए दलों का समर्थन करने में कोई झिझक नहीं करेगा। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन का सत्ता विरोधी लहर का फायदा न उठा पाना और एक नई राजनीतिक ताकत के हाथों अपनी पकड़ खोना, गंभीर आत्मनिरीक्षण का विषय है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन और तमिलनाडु में एमके स्टालिन जैसे नेताओं की चुनावी हार के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि अब दिग्गजों के युग का अंत हो गया है और जनता राजनीतिक प्रभुत्व को नहीं मानती।

## वंशवादी राजनीति की धारणा

बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन जैसे नेताओं का अगर उदय होता भी है तो ये दोनों वंशवादी राजनीति की धारणा को ही और मजबूत करेंगे। ऐसी स्थिति में राज्यों में राजनीतिक स्थिरता को दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बीजेपी में हिमंता बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी जैसे नेताओं का बढ़ता कद विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सरमा पूर्व कांग्रेस नेता हैं और शुभेंदु अधिकारी पूर्व टीएमसी नेता। इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में अपनी छवि बदली। इस नीति का अनुसरण कई अन्य विपक्षी नेता भी कर सकते हैं जो वंशवादी राजनीति और अपनी पार्टियों के हिंदू विरोधी रुख के बोझ तले दबे हुए हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

### आगे क्या

**2027 :** में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे।

**2028 :** में पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में चुनाव होंगे।

**2029 :** में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

## पार्टियों में अंदरूनी तनाव उजागर

केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। 2027 में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं। 2028 में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, त्रिपुरा,मेघालय और मिजोरम में नई सरकार चुनी जाएगी। 2029 में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

# माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

**मदर्स डे**

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं , संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल मांओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981–1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए हैं। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजग और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। चिंतनीय यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएँ स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में मांओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओं देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाल यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं। तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलता। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी दे दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयुवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

# बंगाल में संगठनात्मक स्थिरता बनेगी भाजपा के लिए चुनौती

**चिंतन**

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों में जिन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल रहा। सत्ता प्राप्त कर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी को उसका बहु प्रतीक्षित परिणाम मिला, वही दूसरी ओर यह भी तथ्य है कि बंगाल में शासन का रास्ता फिलहाल इतना आसान रहने वाला प्रतीत नहीं होता। बंगाल में कठिन सिर्फ शासन चलाने का नहीं वरन आमूलचूल परिवर्तन का भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए शासन से पहले सबसे पहली चुनौती होगी संगठनात्मक स्थिरता की। हालांकि बीते दस वर्षों में पार्टी ने जमीनी स्तर पर निश्चित ही अपना विस्तार किया है, जिसका परिणाम इस चुनाव में भारी बहुमत के रूप में दिखा है। इस विस्तार के इस पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इसमें अन्य दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस से आए नेताओं की बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो, वामपंथ की या तृणमूल की बंगाल में हमेशा कैडर आधारित राजनीति रही है। ऐसे में भविष्य के लिए यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ चुनावी सक्रियता से आगे बढ़कर अपने शासनकाल में अपना एक मजबूत कैडर तैयार कर पाएगी। बंगाल में अल्संख्यक वोट को साधने के लिए समीकरण बनाना भारतीय जनता पार्टी के लिए दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होने वाली है। चूंकि अभी तक अधिकतर अल्पसंख्यक वोट बैंक विपक्षी पार्टियों के साथ रहा है और आने वाले चुनावों में इसकी निर्णायक भूमिका हो सकती तो भाजपा को यह समझते हुए कि इसे नजरअंदाज करके नहीं चला जा सकता, उस दिशा में रणनीति बनानी होगी। भारतीय जनता पार्टी को यदि व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त करनी है तो उसे अपने राजनीतिक संदेश को केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रखने के बजाय विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। बंगाल में बेरोजगारी, उद्योगों की कमी, पलायन और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहते हैं। ये सारी समस्या जमीनी है जिन्हें वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। भविष्य में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। वैचारिक संघर्ष चुनावों के समय तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं कारगर सिद्ध होता है लेकिन लंबे समय तक सिर्फ इसपर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

***चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भाजपा को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।***

एक समय के बाद जनसरोकार केंद्रित राजनीति न होने से किसी भी पार्टी की चाहे कितनी भी मजबूत वैचारिक जड़ें हों, उसे सत्ता से बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। बंगाल में इसका जीता-जागता उदाहरण कांग्रेस के बाद वामपंथ उसके बाद तृणमूल और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के रूप में दिखाई देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण काम जो भारतीय जनता पार्टी को करना पड़ेगा, वह है पार्टी का एक चेहरा स्थापित करना। राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक बार सत्ता में किसी भी नेता को बिठाना पड़ता है, लेकिन जनता में अपने विश्वास को गहरा करने के लिए एक कोर नेता की जरूरत होती ही है। भले मौजूदा समय में शुभेंदु अधिकारी बंगाल में पार्टी के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हों, लेकिन वह भी पार्टी के कोर कार्यकर्ता नहीं हैं और अभी कुछ ही वर्ष पहले तृणमूल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इन समस्याओं के अलावा जिन मुद्दों और वादों पर इस बार चुनाव लड़ा गया था, उनको पूरा करने की ओर प्रयास करना भी अत्यंत आवश्यक होगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और साथ में यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन सरकार केंद्र सरकार के साथ बांग्लादेश के साथ लगी सीमा पर बाड़ेबंदी को लेकर सहयोग नहीं कर रही। इस वजह से बंगाल में लगातार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना हो रहा है। इस मुद्दे ने इस बार के चुनावों में जनता को जबरदस्त तरीके से प्रभावित भी किया। अब जनता को इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि सत्ता परिवर्तन के बाद इन दोनों बिंदुओं पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। कुल मिलाकर चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है।

# असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

**स्थिति**

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ साहित्यकार

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दरांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं,

**कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची।**

मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी- अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए।

एआईयूडीएफ के बारे में बनी धारणा ने भी अहम भूमिका निभाई। कई मतदाताओं का मानना था कि यह पार्टी भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा को दिए गए इसके समर्थन ने इस धारणा को और मज़बूत किया। परिणामस्वरूप कई अल्पसंख्यक मतदाताओं ने एआईयूडीएफ का साथ छोड़ दिया और कांग्रेस को समर्थन दिया। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से पुनर्निर्धारित किया गया कि मिश्रित आबादी वाली सीटों की संख्या कम हो गई और जनसांख्यिकीय रूप से अधिक ध्रुवीकृत निर्वाचन क्षेत्र बन गए। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं।

पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

# तमिलनाडु में नई राजनीतिक-संस्कृति का अभ्युदय

**दृष्टिकोण**

डॉ. विजेन्द्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु में नए चुनाव परिणाम, सिर्फ सत्ता-परिवर्तन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक नई राजनीतिक-संस्कृति के अभ्युदय से जुड़े हैं। शुरुआती दौर में कांग्रेस के रंग में कुछ वर्ष बिताने के बाद द्रमुक व उससे उपजे कुछ अन्य छोटे-छोटे शिविरों के मध्य ही 58 वर्षों तक इस प्रदेश की राजनीति केंद्रित रही।

यह भी एक विलक्षण सत्य है कि इस प्रदेश में सत्ता के केन्द्र में द्रविड़, फिल्मी-संसार का लम्बी अवधि तक वर्चस्व रहा है। इस बार चुनावों से पहले यही माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना उनके प्रतिपक्षियों के लिए आसान नहीं रहेगा, लेकिन डीएमके ने शासन के पांच साल पूरे करने के बाद अगले चुनाव में भी जीत हासिल की हो, ऐसा दो बार ही हुआ है। इसके अलावा डीएमके ने 2021 का विधानसभा चुनाव जीता था और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले दो साल में ऐसा क्या हुआ? ज्यादा कुछ नहीं, सिवाय इसके कि एआईएडीएमके और कमज़ोर हो गई। यह विरोध मुख्यतः हिन्दी विरोध की मानसिकता से ही उपजा। यह भी एक विसंगति है कि दक्षिणी-भारत हिंदी प्रचार सभा व दैनिक राजस्थान पत्रिका सरीखे हिन्दी-मीडिया की व्यापक स्वीकार्यता के बावजूद हिन्दी विरोध मतदाताओं के समक्ष मुख्य मुद्दा बना रहा है। ऐसे में सामाजिक स्तर पर एक बदलाव की ओर उन्मुख होता है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई। टीवीके के इस प्रदर्शन के पीछे विजय के वीएमआई फैन क्लब ने गत 15 वर्ष से जमीनी स्तर पर किया। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनाव में भी वीएमआई का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। फिर भी लोगों ने टीवीके जैसी नई पार्टी को जनादेश तो दिया, लेकिन इतनी मज़बूती से नहीं कि वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में आ सके और यहीं पर उसकी परीक्षा होगी कि वो शासन को चलाने के साथ-साथ राजनीति करने में कैसे संतुलन बनाती है। ऐसी

**संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई।**

परिस्थितियों से निपटना किसी नई पार्टी के लिए आसान नहीं होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि सत्ता के खेल का सामना करना और उसे खेलना बिल्कुल दूसरी बात है। 14वीं शताब्दी में मुस्लिम सल्तनत और बाद में विजयनगर साम्राज्य का शासन रहा। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी की स्थापना की।

1916 में गैर-ब्राह्मण हितों की रक्षा के लिए जस्टिस पार्टी बनी। इसने 1921 में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जीता। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहले 20 वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। ओ.पी. रामास्वामी रेड्डियार आजादी के बाद पहले मुख्यमंत्री बने। बाद में के. कामराज के नेतृत्व में राज्य ने औद्योगिक और शैक्षिक प्रगति की। द्रविड़ राजनीति का उदय (1967 से 2026 तक) 1967 में हिंदी विरोधी आंदोलनों के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जिसके बाद से राज्य में केवल द्रविड़ दलों का ही शासन रहा है।

**द्रमुक का शासन :** सी. एन. अन्नादुराई पहले द्रविड़ मुख्यमंत्री बने। उनके बाद एम. करुणानिधि ने कई बार सत्ता संभाली। ए.आई.डी.एक.के. का जन्म वर्ष 1972 में हुआ। एम. जी. रामचंद्रन ने अलग होकर अन्नाद्रमुक बनाई। अन्नाद्रमुक ने जे. जयललिता के नेतृत्व में राज्य पर लंबे समय तक शासन किया। दशकों तक सत्ता द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही। वर्ष 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में आई। टीवीके के सामने दो बड़ी बाधाएं हैं। पहली, छोटी पार्टियां- जैसे वीसीके (दो विधायक), सीपीएम (दो विधायक), सीपीआई (दो विधायक), एएमएमके (एक विधायक) और पीएमके (चार विधायक), अभी तक औपचारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है और उनमें से कुछ को वैचारिक मतभेद भी सुलझाने हैं। पीएमके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा रही है, जबकि वीसीके और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हैं। वर्तमान स्थितियां, राजनीतिक स्थिरता की ओर कब लौटेंगी, इसके लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

टीवीके का उदय इस बात का साक्षी है कि तमिलनाडु की जनता एक बेहतर विकल्प के तलाश में है। भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

# हाईकोर्ट ने दिया छठवें और सातवें वेतनमान के बकाया एरियर के भुगतान का आदेश

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के हजारों पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए छठवें और सातवें वेतनमान के बकाया एरियर के भुगतान का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि 120 दिनों के भीतर पात्र पेंशनरों को बकाया राशि का भुगतान किया जाए। यह आदेश मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 की धारा 49 के तहत पारित किया गया है। दरअसल छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज के प्रांताध्यक्ष चेतन भारती द्वारा 12 अगस्त 2021 को याचिका दायर किया गया था। याचिका में बताया गया था कि लंबे समय से पेंशनरों को वेतनमान संशोधन का एरियर नहीं मिल रहा है। इस संबंध में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्रियों एवं मुख्य सचिवों को कई बार पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन समाधान नहीं होने पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 की धारा 49(6) की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि वित्तीय देनदारियों को लेकर राज्यों के बीच सहमति की अनिवार्यता पेंशनरों के वैधानिक अधिकारों में बाधा नहीं बन सकती।

■ राज्य के हजारों पेंशनरों को बड़ी राहत

### इस तरह मिलेगा एरियर्स

कोर्ट ने पूर्व में दिए गए डॉ. सुरेंद्र नारायण गुप्ता मामले के फैसले का हवाला देते हुए छठवें और सातवें वेतनमान के एरियर भुगतान का रास्ता साफ कर दिया। कोर्ट के आदेश के अनुसार, एक जनवरी 2006 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक की अवधि का 32 माह का एरियर मिलेगा। वहीं, एक जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक की अवधि का 27 माह का एरियर दिया जाएगा। हाईकोर्ट के इस फैसले से प्रदेश के हजारों पेंशनरों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

# फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाले कर्मचारी पेंशन का हकदार नहीं

बिलासपुर। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाले रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर ने पेंशन, ग्रेज्युटी व सेवानिवृति लाभ के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका को खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने साफ कहा है, झूठ और फर्जीवाड़ा के आधार पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वालों की जाति प्रमाण फर्जी पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मचारी पेंशन सहित अन्य लाभ का हकदार नहीं होगा। रायपुर के कृष्णापुरी, अमलीडीह निवासी पीएल. नायक की नियुक्ति सहायक संचालक के पद पर बंजारा जाति के आधार पर अनुसूचित जाति कोटे से हुई थी 30 जून 2021 को जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से डिप्टी डायरेक्टर के पद से रिटायर हुए। विभाग ने उनकी पेंशन, ग्रेच्युटी, जीपीएफ और अन्य लाभ रोक दिया है।

**उच्च स्तरीय छानबनी समिति के फैसले को चुनौती**

उच्च स्तरीय जाति छानबीन समिति के फैसले को चुनौती देते हुए नायक ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया, उसने ना तो धोखाधड़ी की है और ना ही किसी तथ्य को छिपाया है। लंबे समय तक सेवा दी है, इसलिए सेवानिवृत्ति के बाद उनकी पेंशन व अन्य लाभों को रोकना गलत है।अपने फैसले में कहा है, जाति प्रमाण पत्र की वैधता की जांच किसी भी समय की जा सकती है, भले ही कर्मचारी रिटायर हो गया हो। याचिकाकर्ता ने जितने समय तक काम किया, उस अवधि के दौरान प्राप्त वेतन की वसूली नहीं की जाएगी। चूंकि नियुक्ति का आधार अवैध था, इसलिए भविष्य में कोई भी पेंशन संबंधी लाभ नहीं दिया जा सकता।

# यौन उत्पीड़न की शिकार महिला की गवाही पर कार्रवाई से इनकार करना जले पर नमक छिड़कने जैसा

**हाईकोर्ट ने आरोपी की अपील खारिज करते हुए आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा है**

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने मासूम सौतेली बेटी की अस्मत लूटने के आरोपी पिता की सजा के खिलाफ पेश अपील को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा भारतीय समाज में, बिना किसी सबूत के यौन उत्पीड़न की शिकार महिला की गवाही पर कार्रवाई करने से इनकार करना, आमतौर पर जले पर नमक छिड़कने जैसा है। कोर्ट ने कहा कि भारत के पारंपरिक समाज में कोई लड़की या महिला, यहां तक कि बहुत हिचकिचाएगी भी।

कोर्ट ने कहा कि नाबालिग पीड़ति की गवाही, अगर पक्की, एक जैसी और भरोसेमंद पाई जाती है, तो बिना किसी अलग से पुष्टि किए उसे दोषी ठहराने के लिए काफी है। सरगुजा निवासी चौथी कक्षा की पीड़िता के पिता की मौत के बाद उसकी मां ने आरोपी से दूसरी शादी की। कुछ दिन बाद उससे गलत काम करने लगा। मां को जानकारी देने के बाद भी कुछ नहीं हुआ। पीड़िता ने अपने स्कूल में इसकी जानकारी सरगुजा चाइल्ड लाइन के सदस्यों को दी। स्कूल की शिक्षिका एवं चाइल्ड हेल्प लाइन के माध्यम से रिपोर्ट लिखाई गई। पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को जेल दाखिल भेज दिया। विशेष न्यायाधीश पाक्सो ने सुनवाई उपरांत आरोपी को धारा 377 में पाक्सो एक्ट की धारा 5 एवं 6 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने इस सजा के खिलाफ अपील पेश की थी। हाईकोर्ट ने अपील खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के सजा को यथावत रखा है।

# कोल लेवी घोटाले में सूर्यकांत के ड्राइवर की बेल खारिज

**कोर्ट ने कहा- सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि पूरे वसूली नेटवर्क का एक्टिव मेंबर था**

बिलासपुर। कोल लेवी घोटाले के आरोपी और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के ड्राइवर की जमानत हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि नारायण साहू सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि पूरे वसूली नेटवर्क का एक्टिव मेंबर था, सूर्यकांत ने उसके नाम पर संपत्ति भी खरीदी है।

बता दें कि, कोयला घोटाला केस में ईओडब्ल्यू आरोपी ड्राइवर की 2 साल से तलाश कर रही थी। उसे करीब दो महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। केस में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कोयला लेवी के पैसे के कलेक्शन और ट्रांसफर का भी काम करता था। ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी के बाद उसे जेल दाखिल गया था, जिसके बाद आरोपी नारायण साहू ने ईडब्ल्यू की स्पेशल कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी लगाई, जिसे खारिज कर दी गई। याचिका में उसने कहा कि ईओडब्ल्यू को उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। उसका कहना है कि वह केवल कारोबारी का ड्राइवर था। कोयला घोटाले में उसका कोई हाथ नहीं है। सने यह भी आरोप लगाया कि पहले उस पर खिलाफ में बयान देने के लिए दबाव बनाया गया। बाद में उसे फंसाने के लिए आरोपी बना दिया गया। एजेंसियों के मुताबिक, इन दस्तावेजों से करोड़ों रुपए की अवैध वसूली के लेन-देन का लिंक सामने आया है। इसी आधार पर कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपी की भूमिका गंभीर है और उसे जमानत दिए जाने का आधार नहीं बनता।

राज्य शासन की तरफ से कहा गया कि जांच में यह सामने आया कि नारायण साहू कथित कोल लेवी सिंडिकेट के जरिए करीब 13 करोड़ रुपए की नकद अवैध वसूली में शामिल था। आरोपी पिछले करीब ढाई साल से फरार चल रहा था। एजेंसी की पूछताछ से लगातार बचने की कोशिश कर रहा था। साथ ही जांच में सहयोग नहीं कर रहा था। इस मामले में पहले ही कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इस मामले में सभी पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने माना कि नारायण साहू सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि पूरे वसूली नेटवर्क का एक्टिव मेंबर था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में माना कि जांच एजेंसियों को नारायण साहू के खिलाफ गंभीर और ठोस सबूत मिले हैं। कोर्ट के अनुसार, नारायण साहू सूर्यकांत तिवारी का भरोसेमंद व्यक्ति था और कथित अवैध वसूली तंत्र में अहम भूमिका निभा रहा था। जांच के दौरान जब्त की गई हैंड रिटन डायरी में भी नारायण साहू के नाम से कई एंट्रियां मिलने का दावा किया गया है।

## सकरी में लगा शिविर, 664 आवेदनों का निराकरण

**रायपुर।** सुशासन तिहार के तहत शुक्रवार को जिले के अभनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम संकरी में जनसमस्या निवारण शिविर लगा। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन लेकर लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। शिविर में मौजूद विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने कुल आए 877 आवेदनों में से 664 का मौके पर ही निराकरण किया।

**आम सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय ऋण वसूली अधिकरण (DRT) जबलपुर (म.प्र. एवं छग.) के द्वारा प्रकरण क्रमांक OAEX-228/2012 पक्षकार "बैंक ऑफ बडौदा विरुद्ध सुश्री रोजी पचाऊ" में पारित आदेश दिनांक-03/01/2025 के परिचालन में बैंक ऑफ बडौदा, शाखा- हबीबगंज / ROSARB भोपाल के ऋण डिफॉल्टर सुश्री रोजी पचाऊ की निम्नलिखित बंधक सम्पत्ति ग्राम- सैदा तहसील - सकरी जिला- बिलासपुर (छग) - स्थित खसरा नं- 149, 150/1, 150/4, 151/2, 186/5, 186/6, 186/8, 177/3, 177/4, 176/2, 17/6 कुल- 16.23 एकड ऋण पुस्तिका के-1427279 एवं खसरा क्र- 177/5, 176/3 240/1, 240/2 एवं 240/3 कुल- 7.75 एकड ऋण पुस्तिका 51816, महाकुल- 23.98 एकड " को DRT जबलपुर द्वारा नियुक्त कोर्ट कमिश्नर श्री विनय शर्मा द्वारा, तहसीलदार - सकरी, जिला-बिलासपुर द्वारा गठित टीम जिसमें राजस्व निरिक्षक (RI) श्री विकास कौशिक एवं हल्का पटवारी द्वारा चिन्हांकित की गई उक्त सम्पत्ति को कुर्क (Attach) कर, कुर्की वारंट या चस्पा कर दिया गया एवं मौके पर कब्जा प्राप्त कर, संबंधित बैंक ऑफ बडौदा, शाखा - ROSARB, भोपाल को कब्जा सौंप दिया गया है।

कार्यवाही के दौरान मौके पर बैंक द्वारा अधिकृत अधिकारी श्री शेख रऊफ तहसीलदार - सकरी द्वारा गठित राजस्व टीम, स्थानीय पोलिस द्वारा प्राप्त पोलिस बल एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कोर्ट कमिश्नर द्वारा उक्त कुर्क की गई सम्पत्ति पर बाई लगाकर विधिक सूचना लिख दी गई है कि उक्त बंधक/ कुर्क की गई भूमि को यदि कोई क्रय/विक्रय करता है अथवा किसी भी प्रकार का हस्तांतरण एवं कब्जा करता है, तो वह कार्य विधि अनुसार अवैध माना जावेगा एवं DRT जबलपुर के आदेशों का उल्लंघन माना जावेगा।

आदेशानुसार रिकवरी अधिकारी-II
ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर
(म.प्र. एवं छ.ग.)

# डिप्टी सीएम साव के निरीक्षण के बाद ट्रायल के लिए खुल जाएगा कचना ब्रिज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचना फ्लाईओवर का लंबे समय से सबको बेताबी से इंतजार है। इसके प्रारंभ होने से हजारों लोगों को रेलवे क्रॉसिंग में रोज के जाम में फंसने से राहत मिलेगी। यह फ्लाईओवर अब पूरा हो गया है। रविवार को डिप्टी सीएम अरुण साव ब्रिज के काम का निरीक्षण करेंगे। इस निरीक्षण के बाद ब्रिज को ट्रायल के तौर पर आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद सर्विस रोड का काम प्रारंभ होगा। सर्विस रोड का काम पूरा होने के बाद प्रदेश सरकार इस ब्रिज का उद्घाटन करके जनता को इसकी सौगात कभी भी दे सकेगी। 36 करोड़ की लागत से कचना फ्लाईओवर का काम अक्टूबर 2023 से प्रारंभ किया गया। इसको मई में पूरा करना है। फ्लाईओवर का पूरा काम हो गया है, बस डामरीकरण का काम बचा है। इसका काम भी अब ज्यादातर पूरा हो गया है। ब्रिज पर पूरा डामरीकरण हो गया है। इसका काम करने वाले ठेकेदार के. चंद्रशेखर राव के मुताबिक ब्रिज का काम तो काफी पहले ही पूरा हो जाता, लेकिन डामर न मिलके कारण थोड़ा विलंब हुआ है। उन्होंने बताया 13 अप्रैल को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के विशाखापट्टनम प्लांट से 180 टन डामर का सौदा उस समय की कीमत 82 हजार रुपए टन के हिसाब से किया था।

## नक्सली हमले में मृत जवानों के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने सुप्रीम कोर्ट में शीघ्र अपील करे सरकार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र प्रेषित करते हुए कहा है कि हाल ही में हाईकोर्ट द्वारा नक्सली घटनाओं के आरोपियों को शासन द्वारा नियुक्त जांच एजेंसी एवं अधिवक्ताओं की टीम भी तथ्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने में असमर्थ होने के कारण की टिप्पणी करते हुए बरी कर दिया गया। उन्होंने कहा, यह फैसला एक बार फिर गंभीर चर्चा का विषय बन गया है। जब भी ऐसी बड़ी घटनाओं में बरी होने की खबर आती है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या हमारी जांच एजेंसियां साक्ष्य जुटाने में कमजोर रही हैं या निर्दोष लोग वर्षों तक जेल में बंद रहे? अक्सर यह देखा गया है कि नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में डर के मारे गवाह सामने नहीं आते।

**छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्यादित**
मुख्यालय का पताः- मछली पालन विभाग परिसर, तेलीबांधा थाने के पास, तेलीबांधा, रायपुर, पो.आ. रविग्राम पिन कोड- 492006,
फोन 0771-4267693, Email: cgmatsyamahasangh@gmail.com

क्रमांक 82/ममसं/तक./जला./2026-27 रायपुर, दिनांक 08/05/2026

**मत्स्य पालन हेतु लीज पर जलाशय आबंटन बाबत्**
**संक्षिप्त निविदा सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्या., रायपुर के अधीनस्थ निम्नलिखित जलाशयों को अनुबंध निष्पादन की तिथि से दिनांक 15 जून 2036 तक (दस फिशिंग वर्ष) की समयावधि के लिए मत्स्य पालन,मत्स्याखेट एवं मत्स्य विक्रय कार्य हेतु लीज पर आबंटित किये जाने बाबत् निविदाएं वित्तीय रुप से सक्षम पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति/ पंजीकृत व्यवसायिक संस्था/ कंपनी/ फर्म/समूह/ व्यक्ति से दिनांक 09 जून 2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक मत्स्य महासंघ मुख्यालय में निर्धारित प्रपत्र पर सील बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है, तदुपरांत प्राप्त निविदाओं को अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदाकार अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

| क्र. | जलाशय का नाम | औसत जलक्षेत्र (हे.) | प्रारंभिक वार्षिक लीज राशि का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में) | अमानत राशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | माड़मसिल्ली, जिला- धमतरी | 1,387.00 | 18.50 | 1.67 |
| 2. | तांदुला, जिला- बालोद | 2,275.00 | 27.30 | 2.46 |
| 3. | दर्री (हसदेव बैराज),जिला- कोरबा | 1,333.75 | 3.70 | 0.34 |

इच्छुक निविदादाता निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण, शर्तो आदि की जानकारी एवं कोरे निविदा प्रपत्र राशि रु. 3,000/- (तीन हजार रु.) + GST नगद भुगतान कर मत्स्य महासंघ मुख्यालय से दिनांक 08 जून 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं।

प्रबंध संचालक

## गिरफ्तार आरोपियों में पूर्व राज्यमंत्री का दामाद शामिल

# 1.5 करोड़ का गैस गबन, खाद्य अधिकारी मास्टरमाइंड, कारोबारी समेत तीन अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज:रायपुर/महासमुंद

महासमुंद में चर्चित डेढ़ करोड़ रुपए के गैस घोटाला के आरोप में पुलिस ने जिला खाद्य अधिकारी के साथ पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर सहित रायपुर के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। घोटाला का मास्टर माइंड जिला खाद्य अधिकारी के होने की पुलिस ने पुष्टि की है। एलपीजी से भरे कैप्सूल ट्रक को पुलिस ने दिसंबर में सिंघोड़ा के पास जब्त कर अभनपुर स्थित ठाकुर पैट्रो कैमिकल में सुरक्षा के लिहाज से सुपुर्दनामा में दिया था।

महासमुंद एसपी प्रभात कुमार, एएसपी प्रतिभा पांडेय ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि घोटाला के आरोप में जिला खाद्य अधिकारी अजय यादव, पूर्व राज्य मंत्री का दामाद तथा गौरव गैस एजेंसी का संचालक पंकज चंद्राकर तथा रायपुर के कारोबारी मनीष चौधरी को घोटाला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसपी के अनुसार दिसंबर 2025 में सिंघोड़ा पुलिस द्वारा जब्त किए गए 6 एलपीजी गैस कैप्सूलों को सुरक्षा कारणों से सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए कलेक्टर के माध्यम से खाद्य विभाग को जिम्मेदारी दी गई थी। खाद्य अधिकारी ने जब्त कैप्सूल में रखे एलपीजी को बेचने साजिश कर अन्य आरोपियों की मदद से खुले बाजार में ब्लैक में बेच कर राशि गबन की। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इरान के बीच चल रहे युद्ध को देखते हुए जिला खाद्य अधिकारी ने जब्त एलपीजी को बेचने की योजना बनाई। योजना में खाद्य अधिकारी ने गैस एजेंसी के संचालक पंकज चंद्राकर से संपर्क किया। पंकज ने रायपुर के कारोबारी मनीष को अपने साथ साजिश में शामिल किया। इसके बाद इन लोगों ने ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स के संचालक संतोष सिंह ठाकुर से संपर्क किया। दो माह पूर्व 26 मार्च को खाद्य अधिकारी और पंकज सिंघोड़ा जाकर गैस की मात्रा का आकलन किया और 102 मीट्रिक टन गैस की उपलब्धता पाकर 1 करोड़ रुपए उगाही करने का लक्ष्य रखा। उगाही करने लक्ष्य राशि के अनुसार इन लोगों ने ठाकुर पेट्रो केमिकल्स के साथ 80 लाख रुपए में डील फाइनल की। तय सौदे के अनुसार, 80 लाख रुपए की राशि में से खाद्य अधिकारी अजय यादव को 50 लाख, पंकज चंद्राकर को 20 लाख तथा मनीष चौधरी को 10 लाख रुपए मिले हैं। जांच में सामने आया कि खाद्य अधिकारी को 50 लाख रुपए सुपुर्दनामे के अगले ही दिन मिल गए थे। शेष 30 लाख रुपए की सुरक्षा के लिए मनीष चौधरी के बैंक खाते का उपयोग किया गया था।

### कागजी फर्जीवाड़ा और गुमराह करने की कोशिश

खाद्य अधिकारी ने योजनाबद्ध तरीके से पुलिस और प्रशासन को गुमराह किया। उन्होंने अपने कर्मचारियों को सुपुर्दनामा कागजों पर हस्ताक्षर न करने और कैप्सूल का वजन नहीं कराने के निर्देश दिए थे। 92 टन गैस निकालने के बाद, खाद्य अधिकारी के कार्यालय में ही वजन का फर्जी पंचनामा तैयार किया गया। हैरानी की बात यह है कि वजन प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही यह फर्जी रिपोर्ट कलेक्टोरेट में जमा कर दी गई थी।

### एलपीजी कांड में रायपुर की 8 गैस एजेंसियों के नाम

एलपीजी घोटाला को लेकर पूर्व में पुलिस की जांच में रायपुर जिले की 8 गैस एजेंसियों के शामिल होने की भी जानकारी दी गई थी। प्रारंभिक जांच में पाया था कि गैस चोरी करने के बाद उसे बेचने के लिए गैस एजेंसियों के संचालकों की मदद ली गई है। इसमें महासमुंद के अलावा रायपुर में संचालित 8 गैस एजेंसियां भी शामिल हैं। हालांकि पुलिस ने इन गैस एजेंसियों के नाम का खुलासा नहीं किया था। इस पूरे प्रकरण को सुलझाने पुलिस की 40 से ज्यादा टीमें शामिल थीं। महासमुंद पुलिस पिछले दिनों रायपुर की गैस एजेंसियों में छापे की कार्रवाई करने आई थी। छापे की कार्रवाई में अब तक क्या मिला, पुलिस ने इसकी अब तक पुष्टि नहीं की है।

## आईपीएल मैच में कमिश्नरेट छोड़ कर सुरक्षा के लिए डेढ़ हजार पुलिस जवानों की होगी तैनाती

**रायपुर।** राजधानी के नवागांव स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 10 और 13 मई को होने जा रहे आईपीएल मैच को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच पहला मुकाबला होने जा रहा है। बताया जा रहा है, मुंबई इंडियंस का उत्साह बढ़ाने के लिए अंबानी परिवार स्वयं मौजूद रह सकता है। साथ ही अनुष्का शर्मा के अलावा बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां पहुंच सकती हैं। इन वीआईपी के पहुंचने की अब तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/18, तिथिः 05.05.2026

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय | मात्रा |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 03262719 | हाई टेन्साईल टाईट लॉक. | 26.05.2026 At 10:30 hrs | 209 नग |
| 2 | 06260081A | मेनुफेक्चर एंड सप्लाए ऑफ 10एमएम थिक कम्पोजिट ग्रुब्द रबर सोल प्लेट फॉर वाईडर बेस पीएससी स्लीपर्स. | 22.05.2026 At 10:30 hrs | 443130 नग |
| 3 | 06265031 | सप्लाइ इंस्टॉलेशन एण्ड कमिशनिंग ऑफ गोलियाथ क्रेन-5टी एट व्हील पार्क ऑफ डब्ल्युआरएस/आर. | 22.05.2026 At 10:30 hrs | 01 नग |
| 4 | 04262391 | इलेक्ट्रॉनिक रेक्टिफायर कम रेगुलेटिंग युनिट. | 25.05.2026 At 10:30 hrs | 126 नग |
| 5 | 04262387 | व्हीआरएलए सेल्स ऑफ 6 व्ही मोनो ब्लॉक 120 एएच. | 27.05.2026 At 10:30 hrs | 308 सेट |

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक-III
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/92

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**

**ई-निविदा सूचना सं: 42-यांत्रिक-बिलासपुर-रेक-परीक्षण, दिनांक: 30.04.2026**

**कार्य का नाम:** खुली निविदा के आधार पर दो साल की अवधि के लिए बिलासपुर डिवीजन के विभिन्न स्थानों में वैगन रेक के संपूर्ण (गहन) जांच, मरम्मत कार्य और अन्य संबंधित गतिविधियों में सहायता प्रदान करने हेतु आउटसोर्सिंग।

**निविदा मूल्य:** 04,72,28,532/- (रूपये चार करोड़ बहत्तर लाख अठ्ठाईस हजार पाँच सौ बत्तीस मात्र ) समस्त खर्चों एवं जीएसटी महित । **अमानत राशि:** 03,86,200/- (रुपये तीन लाख छियासी हज़ार दो सौ मात्र)।

**निविदा** : दिनांक 22.05.2026 को दोपहर 12:00 बजे खोले जाएंगे।

उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट)
सीपीआर/10/AM/88 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

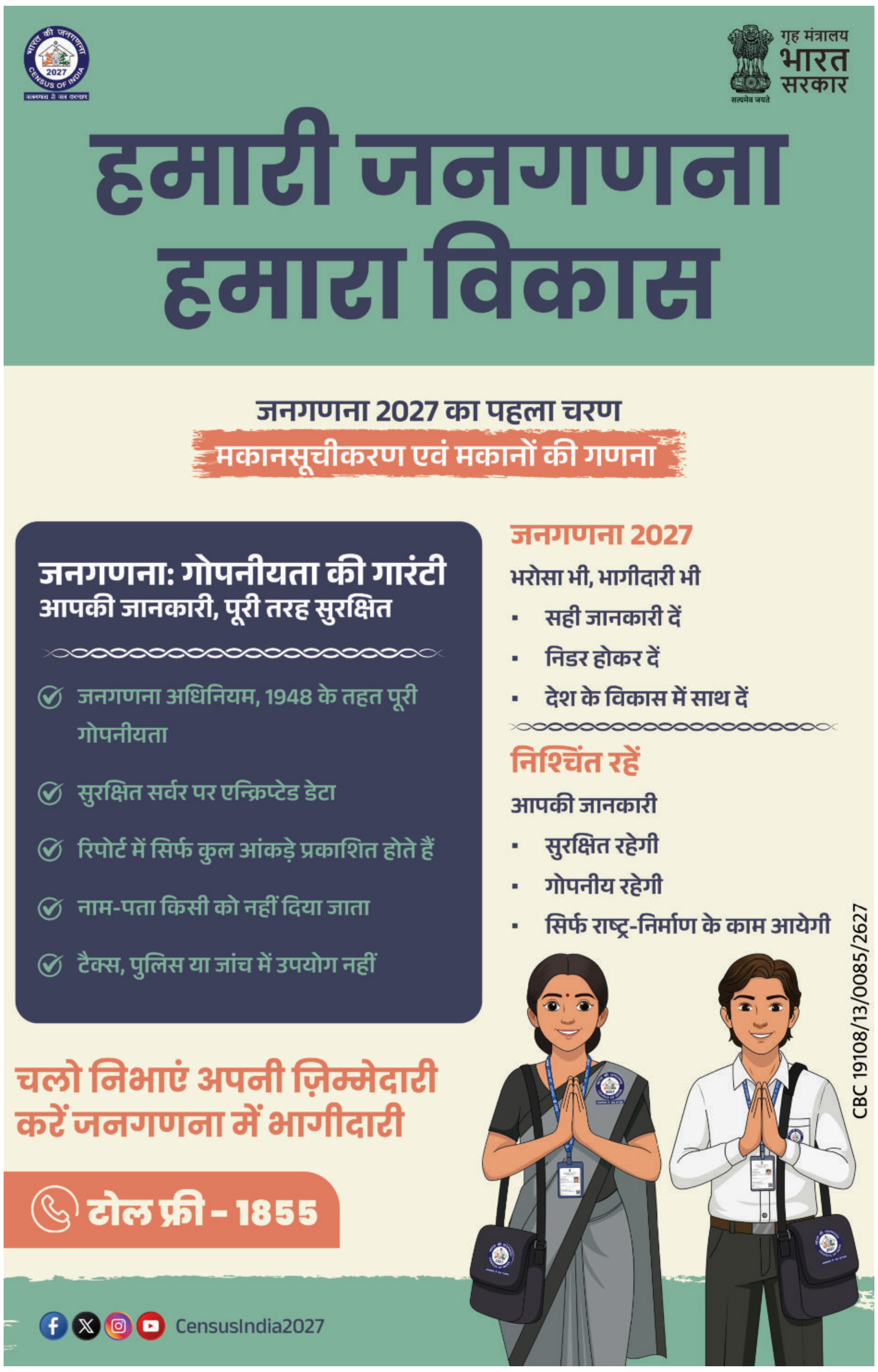

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा / सरस्वती रमेश

# मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

**भावनाओं का दरिया है मां:** हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

**रुई के फाहे सा स्नेह:** मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

**कामयाबी के पीछे मां की भूमिका:** किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

**मां कभी नहीं बदलती:** दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

**मदर्स-डे की महत्ता:** संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगेते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

# मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

*मेरी प्यारी मां*

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां ,यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

## मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

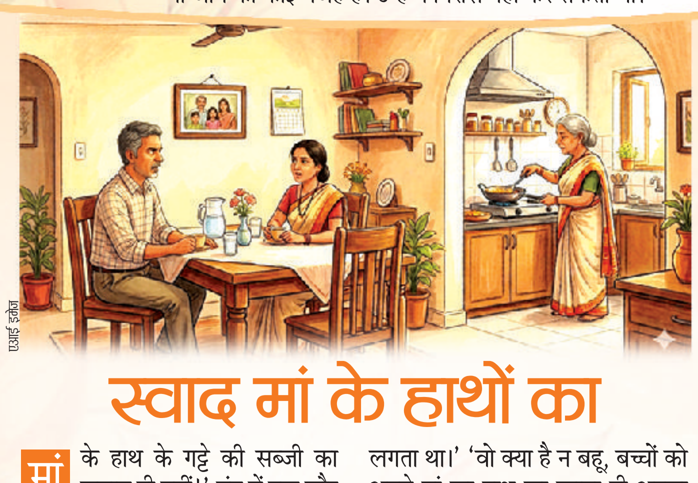

एआई इमेज

लघुकथाएं

## स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

## पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

**पुस्तक:** हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
**मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

# आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

### सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

- आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
- आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
- आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
- आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
- आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
- गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

### ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

### पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

- नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
- इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
- साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
- पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
- -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

### आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

- बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन ■ अन्य आय
- यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

### 26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

- आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुअल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
- इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
- अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
- अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

### एडवांस टैक्स समय पर भरें

- एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
- 15 जून ■ 15 सितंबर ■ 15 दिसंबर ■ 15 मार्च
- समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

# बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

**एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'**

**70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा**

**मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम**

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

## गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

### सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

### विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

### भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

### सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

# पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- **एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा**
- **ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता**
- **लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क**

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

**ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर**

### एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

### ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

### लोन का प्रकार भी करता है असर

- सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
- होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
- कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
- पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
- क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
- बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

### क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

# जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते

## बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आईडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

*नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।*

### सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं।

### कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

### क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

### ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

### ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

## राशिफल

**मेष** कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

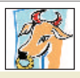
**वृष** मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

**मिथुन** परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

**कर्क** आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

**सिंह** बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

**कन्या** नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

**तुला** भाग–दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**वृश्चिक** जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

**धनु** व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

**मकर** परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

**कुंभ** मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

**मीन** तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

## शब्द पहेली - 6221

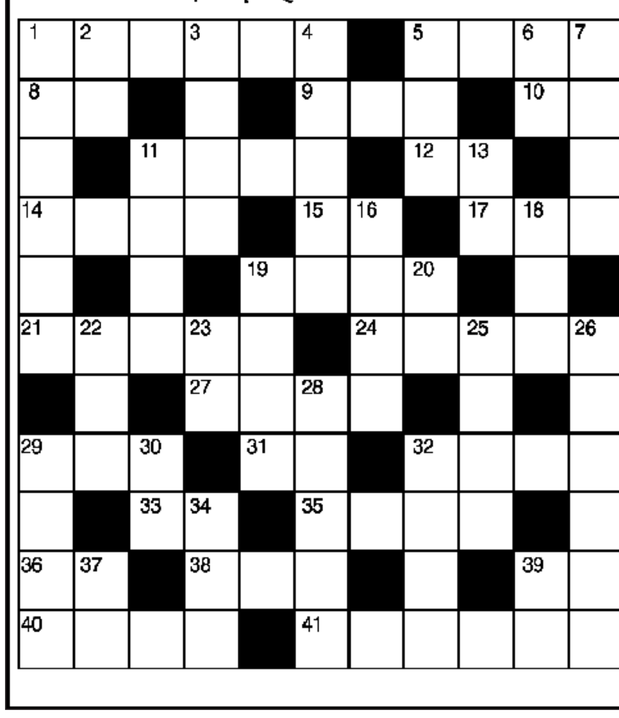

**बाएँ से दाएँ**

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

**ऊपर से नीचे**

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

**शब्द पहेली- 6220 का हल**

## सूडोकु नवताल - 6231

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

**सूडोकु नवताल - 6230 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### 13 साल बाद...

दौड़ में बने रहने के लिए आरसीबी के लिए यह मैच जीतना बेहद अहम हो गया है। वहीं, दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें पहले ही खत्म हो चुकी हैं। ऐसे में मुंबई की टीम बिना किसी दबाव के मैदान में उतरेगी और आरसीबी का समीकरण बिगाड़ने का पूरा प्रयास करेगी। इस अहम मुकाबले से पहले शनिवार को दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया और अपनी रणनीतियों को धार दी। रायपुर में विराट और रोहित को लेकर दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को अभ्यास के दौरान ही अपने चहेते सितारों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंच गए थे। हालांकि, कड़ी सुरक्षा के कारण उन्हें मैदान के अंदर प्रवेश तो नहीं मिला, लेकिन खिलाड़ियों की महज एक झलक पाकर ही फैंस खुशी से झूम उठे। **200 के पार जा सकता है स्कोर, जमकर लगेंगे चौके-छक्के-** आज का यह महामुकाबला बेहद हाई-स्कोरिंग होने वाला है। जानकारी के अनुसार मैच के लिए स्टेडियम की बाउंड्री लाइन को छोटा किया गया है, जिससे स्कोर के 200 रनों के पार पहुंचने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, रायपुर की पिच का मिजाज भी पूरी तरह से बल्लेबाजों के अनुकूल रहने वाला है। गेंद आसानी से बल्ले पर आएगी, जिसका फायदा सीधे तौर पर बल्लेबाजों को मिलेगा। ऐसे में क्रिकेट फैंस को आज विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या जैसे स्टार खिलाड़ियों के बल्ले से लंबे-लंबे छक्कों और शानदार चौकों की झड़ी देखने को मिलेगी।

### तितलियों की मां...

143 प्रजातियों का 'भरा-पूरा कुनबा' : संरक्षण का ही नतीजा है कि यहां ऑरेंज ओक लीफ, कॉमन जेम और ब्लू मॉर्मन जैसी दुर्लभ तितलियां बेखौफ उड़ान भर रही हैं। हाल ही में हिमालय से चलकर आई 'हिमालयन वैगरेंट' का यहाँ मिलना इस बात का प्रमाण है कि इन महिलाओं ने बस्तर की माटी में ममत्व की कितनी गहरी जड़ें जमाई हैं। अगली पीढ़ी को मातृत्व के संस्कार : ये महिलाएं केवल तितलियां नहीं बचा रहीं, बल्कि घर के छोटे बच्चों को भी प्रकृति के इस चमत्कार से जोड़ रही हैं। ये बच्चों को सिखाती हैं कि कैसे एक छोटा सा अंडा, जीवन के संघर्षों को पार कर एक खूबसूरत तितली बनता है। यह 'मदर्स डे' का सबसे अनूठा उत्सव है, जहाँ एक माँ अपनी अगली पीढ़ी को समूची प्रकृति को प्यार करने का संस्कार दे रही है। खूबसूरती ऐसी, एकटक देखता रह जाए इंसान : पार्क के 2 किलोमीटर के दायरे में बना 'तितली जोन' सैलानियों के लिए जादू की दुनिया जैसा है। निदेशक नवीन कुमार के मार्गदर्शन में यहाँ करीब 100 से ज्यादा प्रजातियों की पहचान हो चुकी है। ब्लू टाइगर, जेजीवेल राजा और कॉमन नवाब जैसी प्रजातियों का नृत्य देखकर यहाँ आने वाला हर सैलानी रोमांचित हो उठता है।

### बंदर और परिंदों...

उनकी भाषा समझने में सुकून मिलता है : स्मिता कहती हैं कि बेजुबान जीवों की भावनाओं को समझने में जो सुकून मिलता है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। "मुझे लगता है कि वे बोल नहीं पाते, लेकिन सब महसूस करते हैं। उनके बीच रहना ही असली जीवन लगता है।" पांचवीं कक्षा से शुरू हुआ यह जुड़ाव समय के साथ और गहरा होता गया। अब वे न सिर्फ पशु-पक्षियों की देखभाल कर रही हैं, बल्कि लोगों को भी जीवों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दे रही हैं। **कोविडकाल में बंदरों से जुड़ा रिश्ता-** बंदरों के प्रति उनका लगाव भी एक भावुक घटना से जुड़ा है। कोविड काल के दौरान केशकाल घाट में उन्होंने कई बंदरों को भूखा-प्यासा देखा। उसी दिन उन्होंने तय किया कि हर सप्ताह वहां जाकर उनके लिए खाने और पानी की व्यवस्था करेंगी। आज स्थिति यह है कि जैसे ही उनकी गाड़ी घाट पर पहुंचती है, बंदर उन्हें पहचानकर उनके आसपास इकट्ठा हो जाते हैं।

### मोदी राज में...

पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर पहुंचने के बाद जनादेश के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए लोगों की ओर मुख करके घुटनों के बल झुककर जैसे ही हाथ जोड़े और मंच पर नत मस्तक हुए, ऐतिहासिक स्थल पर एकत्र भाजपा के हजारों समर्थकों ने जोरदार नारों और तालियों से उनका स्वागत किया। भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल करने वाले तथा भाजपा के आक्रामक चुनाव अभियान का चेहरा बनकर उभरे अधिकारी ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। यह छह सदस्यीय मंत्रिमंडल सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसमें ब्राह्मण, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), जनजातीय, मतुआ और राजबंशी समुदायों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। शुभेंदु अधिकारी ब्राह्मण हैं, घोष अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, अग्निमित्रा पॉल कायस्थ हैं, कीर्तनिया मतुआ समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं, टुडू जंगलमहल के जनजातीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं जबकि प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजबंशी नेता माने जाते हैं। भाजपा के पहले मंत्रिमंडल में दो मंत्री उत्तर बंगाल और तीन दक्षिण बंगाल से हैं। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में अपना समर्थन मजबूत करने की पार्टी की कोशिश रेखांकित होती है। मंत्रियों की पहली सूची में कोलकाता से किसी प्रतिनिधि को जगह नहीं मिली जबकि इस शहर ने बंगाल की कुछ सबसे बड़ी राजनीतिक हस्तियां और मुख्यमंत्री दिए हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा सरकार के बाकी मंत्रियों को सोमवार को राजभवन में शपथ दिलाए जाने की संभावना है। नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक भी उसी दिन हो सकती है। मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

### बंगाल की राजनीति...

गया, यह जनादेश केवल सरकार बदलने के लिए नहीं है, बल्कि यह पश्चिम बंगाल में विकास, सुशासन और नयी कार्य संस्कृति स्थापित करने के जनसंकल्प को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र तथा राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार की ताकत से पश्चिम बंगाल विकास की नयी ऊंचाइयों को हासिल करेगा। साय ने कहा कि नयी सरकार युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करेगी, किसानों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी और महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित तथा सशक्त वातावरण सुनिश्चित करेगी।

### सारस की मां...

सारस को बचाने के लिए समर्पित किया है, जो दुनिया में सारस की दूसरी सबसे दुर्लभ प्रजाति है। आज वयस्क ग्रेटर एडजुटेंट सारसों की संख्या 1,200 से भी कम है, जो एक सदी पहले की संख्या का 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने 2007 में सारस के संरक्षण के लिए अपना अभियान शुरू किया, जिसका ध्यान असम के कामरूप जिले के उन गांवों पर केंद्रित था जहां ये पक्षी सबसे अधिक संख्या में पाए जाते थे-और जिनका सबसे कम स्वागत किया जाता था। बर्मन जानती थी कि उसे इस पक्षी के बारे में लोगों की धारणाओं को बदलना होगा, जिसे स्थानीय रूप से असमिया में हरगिला (जिसका अर्थ है हड्डी निगलने वाला) कहा जाता है, और उसने अपनी मदद के लिए गांव की महिलाओं के एक समूह को संगठित किया। आज हरगिला सेना में 10,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। वे घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं। ग्रेटर एडजुटेंट सारस लोकगीतों, कविताओं, त्योहारों और नाटकों में नियमित रूप से दिखाई देता है।

### माता-पिता कभी...

लंबी उड़ान में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने 'कैशलेस सपोर्ट' और आर्थिक संबल प्रदान किया। लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति ने स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई के दौरान इस छात्रवृत्ति ने आर्थिक बोझ को कम किया। राज्य शासन की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से उन्हें निरंतर वित्तीय सहायता मिली, जिससे वे अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सके।

**NAGAR PANCHAYAT KUNKURI, DIST-JASHPUR, C.G**

**E-Procurement Tender Notice (1ST Call)**

NIT NO : 126/2026 KUNKURI, Dated 08.05.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/supply works up to date 02.02.2026 at 17.30 Hours

| System Tender No. | Description | P.A.C |
|---|---|---|
| 190612 | BT Road topping from Mini garden to Jamtoli primary school, Ward no 6, Nagar Panchayat Kunkuri. | 11.19 LACS |
| 190613 | BT Road topping from Main road Isha Nursing to BSNL office, Ward no 7, Nagar Panchayat Kunkuri. | 11.55 LACS |
| 190614 | BT Road topping from Govt quarters to Rafeeq Ghar, Ward no 11, Nagar Panchayat Kunkuri. | 12.03 LACS |
| 190615 | BT Road topping from CSEB office to Lambitoli Road, Ward no 7, Nagar Panchayat Kunkuri. | 14.70 LACS |
| 190616 | BT Road topping from Loyola School to Lazurus Minz ghar, Ward no 2, Nagar Panchayat Kunkuri. | 16.68 LACS |
| 190617 | BT Road topping from Aadya Shankar Tripathi ghar to SLRM centre, Ward no 1, Nagar Panchayat Kunkuri. | 23.36 LACS |
| 190618 | BT Road topping at Azad basti, Ward no 9, Nagar Panchayat Kunkuri | 23.35 LACS |
| 190619 | BT Road topping from Talkies chowk to Lambitoli road Ward no 8, Nagar Panchayat Kunkuri. | 24.04 LACS |
| 190620 | BT Road topping from Mangal Bhavan to Ginabahar Marg seema, Ward no 1, Nagar Panchayat Kunkuri. | 28.81 LACS |
| 190621 | BT Road topping from Mahima school to Behratoli, Ward no 15, Nagar Panchayat Kunkuri. | 29.18 LACS |

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in From 11.05.2026 at 10:30 Hours. (IST) onwards.
For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

**CHIEF MUNICIPAL OFFICER**
**NAGAR PANCHAYAT KUNKURI**

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

आवश्यकता है-घरेलू गाड़ी चलाने के लिए चार से पांच वर्ष अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है आधार कार्ड एवं लाईसेन्स के साथ सम्पर्क करें- 9827223400 (40814)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर (40818)

आवश्यकता है- दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 (40811)

आवश्यकता है-एम्बियंस इंफ्रा ग्रुप बिलासपुर को आवश्यकता है सिविल सुपरवाइजर- 2पद अनुभव- न्यूनतम- 7वर्ष, वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- साइट एड्रेस दयालबंद बिलासपुर 7049810000 (40812)

आवश्यकता है-शाकाहारी खाना बनाने के लिए अनुभवी महिला कर्मचारी चाहिए। (घर के काम झाड़ू, पोछा, बर्तन के लिए) महाराणा प्रताप चौक के पास कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8085681072, 8871563925 (40813)

आवश्यकता है-हॉस्टल स्टाफ की आवश्यकता है DAC academy hostal Raipur रसोइया (Cook) वेतन 15000- 20000/- प्रतिमाह सहायक (helper) वेतन 12000- 15000/- प्रति माह सफाई कर्मचारी वेतन 8000- 10000/- प्रतिमाह सुबह एवं शाम की शिफ्ट उपलब्ध संपर्क करें -81098 10976 (4696)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर जानकार एवं टेली अनुभवी एक योग्य युवती चाहिए। सम्पर्क करें- साईं ट्रेडर्स, कैंट आरो आर्थराइज्ड सर्विस सेन्टर, श्याम प्लाजा नूतन चौक सरकंडा बिलासपुर 9770491492 9589583987 0775241192 (40804)

आवश्यकता है-फील्ड कार्य हेतु मैनेजर, पेमेंट रिकवरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बिजी, जीएसटी अकाउंट कोटेशन अनुभवी वाले लड़कों, लड़कियों, एवं मिस्त्री मैकेनिक चाहिए सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (40805)

आवश्यकता है-टिफिन सेन्टर में खाना और नाश्ता बनाने के लिए कुक की आवश्यकता है। घर जैसा नाश्ता खाना बनाना है। सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर मंगला बिलासपुर 9755655055 (40816)

आवश्यकता है-क्लीनिक और रिटेल दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों और लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- कृष्णा स्कीन क्लीनिक सरकंडा बिलासपुर 7999677226 (40820)

आवश्यकता है-खिलौना दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है एवं कॉर्टून पैकिंग करने वालों की भी आवश्यकता है सम्पर्क करें नैतिक ट्रेडर्स होटल अजीत के सामने बिलासपुर 91093 20238 (40819)

आवश्यकता है-श्रेष्ठ डेंटल लैब में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- डाउन टाउन होटल सहारा ऑफिस के पास राजकिशोर नगर बिलासपुर 8103333630 (40822)

आवश्यकता है-लॉज में डे और नाईट में काम करने हेतु लड़कों एवं ऑटोपार्ट्स दुकान में काम करने हेतु लड़के और लड़कियों को आवश्यकता है पता- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7869523344, 7301717175 (40806)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (40799)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर टेलीकॉलिंग एवं सेल्स (अनुभवी) की आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 9174734567 (40832)

आवश्यकता है-सीएससी एवं च्वाइस सेन्टर के लिए टेलीकॉलिंग के लिए 6 युवतियों, महिलाओं की तत्काल आवश्यकता है समय 11से6 वेतन योग्यता अनुसार 10000 से 15000, सम्पर्क करें- 7898578993, 88173 58601 (40824)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी कम्पनी में दिन या रात में काम करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, सम्पर्क करें- उमा सिक्योरिटी सर्विसेज बहतराई चौक सरकंडा बिलासपुर 9981630084, 94255 34940 (40826)

आवश्यकता है-रुम सर्विस के लिए दो लड़के एक मिस्त्री एक खाना बनाने के लिए बाई की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोपहर 3बजे तक, हॉटल राज दयालबंद बिलासपुर 07752402971 (40817)

आवश्यकता है-मैग्नाइज्ड लाड्री कोचिंग डिपो एसईसी रेल्वे बिलासपुर एवं तोरवा स्थित लॉण्ड्री में ठेके के अन्तर्गत कार्य करने हेतु लड़की एवं लड़कों की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 8878641114 (40802)

Wanted- Wanted Labor and Driver for Cement truck in GOA, Work for full year, Accomm oda-tion free Contact: 9923247298, 94224 43730 (26-5249)

आवश्यकता है-अशोक लीलैंड ट्रक वर्कशॉप में आवश्यकता है मैकेनिक, हेल्पर, ट्रक इलेक्ट्रीशियन, सुपरवाइजर, आईटीआई मेकैनिक एवं इलेक्ट्रीशियन डिग्री वाले भी सम्पर्क करे- लोकेशन रतनपुर रोड, गतौरी, बिलासपुर 8871717004, 8896200007 (40821)

आवश्यकता है-2पद आफिस साफ सफाई हेतु स्थोनीय युवक फ्रेशर की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, आने, जाने के लिए स्वयं का वाहन अनिवार्य बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- थायरोकेयर तिलक नगर बिलासपुर 98274 02212 (40793)

आवश्यकता है- लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी हेतु पिकप/ छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए रहने, खाने की सुविधा वेतन12000 से 15000 भत्ता (अनुभव अनुसार) सम्पर्क- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9300734341 (40788)

आवश्यकता है-आफिस में साफ सफाई कर्मचारी, टेलीकालिंग स्टाफ, कम्प्यूटर स्टाफ, शिक्षक/ शिक्षिका (बायो) कार्य हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- मध्यनगरी चौक बिलासपुर प्रकाशन काम्प्लेक्स बिलासपुर 8770068557 (40808)

आवश्यकता है-CCTV कैमरा कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है इंस्टॉलेशन, फील्ड कार्य के अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी, अन्य सुविधा चर्चा अनुसार। सम्पर्क करें- Techonica IT Solution राजकिशोर नगर बिलासपुर 8871111809 (40809)

आवश्यकता है- होम अप्लायंस शोरूम में कस्टमर हेंडलिंग, पेकेजिंग, बिलिंग हेतु लड़का, लड़की चाहिए। सैलरी- 8000 से योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- माँ गायत्री ट्रेडर्स होटल अजीत कॉम्पलेक्स तेलीपारा, बिलासपुर 9179913671, 9109982387, 84500 91040 (40800)

आवश्यकता है-डोर स्टेप लॉन्ड्री में अनुभवी ड्राइ क्लीनर कारीगर एवं डिलिवरी बॉय की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक बिलासपुर 99079 80004, 9300003383 (40794)

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़को की। लड़को के पास स्वयं की बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (योग्यता 10वी, 12वी) पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (40790)

आवश्यकता है- बिलासपुर अमेरी के घर में रहकर सभी प्रकार का नाश्ता, खाना बनाने, घर की देखरेख हेतु अनुभवी लड़की, महिला, विधवा, परित्यक्ता की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7999043732 (40796)

आवश्यकता है- (1) कार/ ट्रक ड्राईवर ऑटोमेटिक एवं गेयर कार चलाना आता हो (2) जेसीबी लोडर मेंटेनेंस हेतु मिस्त्री/ सुपरवाइजर (3) घरेलू कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7566194517 (40797)

Required-Accountant Required Mfg Company. Sirgitti Bilaspur GST, TDS, IT & Finalisation exp. must 3 to 5 yrs exp. Contact- 9303790515 (40798)

आवश्यकता है- जॉब का अवसर वेल्डर कटर, फिटर गार्ड, कम्पयूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य 10, ड्राइवर, चपरासी 20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 15000 35000 रहना फ्री, सम्पर्क- सीपत 6232429364 (40785)

आवश्यकता है-ऑफिस मैनेजर वर्क साइड वर्क रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण एवं नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (40707)

आवश्यकता है- रावतपुरा युनिवर्सिटी रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षागार्ड चाहिए। ऊंचाई पुरुष 5'-6" लड़कियां 5'-5" वेतन सुपरवाइजर 16000, सुरक्षागार्ड 14000 अनुभवी को प्राथमिकता पता- एक्समैन सिक्यूरिटी वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 9754713125, 83499 74442 (40786)

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु 2 लड़के, 4 लड़कियों की। वेतन 8000 कार्य समय 10 से 8 सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 8109168000 (40781)

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं कॉल करे- 8929449955 (63172)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (40779)

आवश्यकता है- कपड़े की शॉप में कम्प्यूटर एवं मेनुअल एकाउन्ट एकाउंटेंट एवं मकान के लिए चौकीदार की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (40755)

आवश्यकता है-(1)दिनभर घरेलू कार्य करने हेतु एक लड़का, एक लड़की (2) कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (3) शाकाहारी खाना बनाने हेतु कुक(4)ओटी हेतु पैरामेडिकल स्टाफ चाहिए सम्पर्क- 70671 24226 (40673)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है- खेत में कार्य करने वाले की आवश्यकता है जो परिवार सहित रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे, वेतन कार्य क्षमता अनुसार संपर्क करें 7999967254 (4698)

## बेचना है

बेचना है- हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एस.के. बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (40711)

बेचना है-वैष्णवी अपार्टमेंट के तृतीय तल पर मसानगंज बिलासपुर में 2BHK फ्लैट बेचना है इच्छुक व्यक्ति, संस्थान सम्पर्क करें- 08817 387841, 7974809122 (40815)

बेचना है-सकरी परसदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे, सृष्टि संस्कृति कॉलोनी के पास 2BHK, 3BHK नवनिर्मित मकान एवं प्लॉट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9131115900 (40825)

बेचना है-आरबी ग्रीन विहार कालोनी, तिफरा यदुनन्दन नगर बिलासपुर मे सर्वसुविधायुक्त 4BHK मकान अतिशीघ्र बेचना है। नये बस स्टैण्ड से मात्र 1KM कीमत 65 लाख। खरीददार ही सम्पर्क करें- 8319407736, 97553 22838 (40810)

बेचना है- मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में 10×25 की दुकान एवं ऊपर चार कमरे टोटल साइज 550 वर्गफुट बेचना है मेडिकल एजेन्सी के लिए उपयुक्त। सम्पर्क करें- 7489544379, 99818 90379 (40791)

बेचना है- धुरीपारा मंगला 4000 वर्गफीट 950/- प्रति वर्गफुट (60×67), मंगला 500 वर्गफीट (15×33 फुट) कोनी 1090 वर्गफीट, रहंगी चकरभाटा 15×30 फिट दुकान बेचना है पता- शकुन्तला सिंह कुदुदण्ड बिलासपुर 8319524783. 8305821589 (40792)

बेचना है- 40×75= 3000 फुट पश्चिम मुखी जैन होस्टल वाली गली CMD चौक पास विनोब नगर में हॉस्टल एवं PG बनाने हेतु उपयुक्त शानदार लोकेशन में। कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9827938236, 8817374543 (40803)

## किराया

किराया- मंगला चौक के आगे मिनोचा कॉलोनी मेन रोड पर चालू मेडिकल स्टोर सामान सहित किराये पर देना है सम्पर्क करें- 7999507957, 78048 14392 (40789)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
यौन रोग व यौन कमजोरी
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. बी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

**हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें**
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

# मां-बेटी दोनों ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट, देश के लिए रचा इतिहास

10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। ये दिन एक मां-बेटी की जोड़ी के लिए काफी खास है। इन दोनों ने ही इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। खास बात ये भी है कि बेटी ने दो देशों के लिए खेला है।

**मदर्स डे पर विशेष**

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल 10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। इस खास मौके पर हम आपको एक ऐसी मां-बेटी की जोड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। इस जोड़ी ने अलग-अलग पीढ़ियों में एक ही देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलकर इतिहास रचा। ये कहानी है ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर किम गार्थ और उनकी मां ऐनी-मैरी गार्थ की।

### 14 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू

किम गार्थ ने सिर्फ 14 साल की उम्र में आयरलैंड की महिला टीम के लिए इंटरनेशनल डेब्यू कर दिया था। उस समय वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई थीं। आयरलैंड के लिए किम ने 34 वनडे मैचों में 448 रन बनाए और 23 विकेट झटके। वहीं 51 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 762 रन बनाए साथ ही 42 विकेट भी लिए, जिसके चलते फरवरी 2021 में उन्हें दशक की बेस्ट आयरलैंड महिला क्रिकेटर का खिताब भी मिला।

### 2020 में किम पहुंची ऑस्ट्रेलिया

लेकिन 2020 में किम ने अपना रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर किया। उन्होंने क्रिकेट विक्टोरिया के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और मेहनत के बाद 2022 में ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई। अब वह तीनों फॉर्मेट में कंगारू टीम के लिए खेल रही हैं और दुनिया की बेहतरीन ऑलराउंडरों में शुमार हैं।

### मां ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट

किम की मां ऐनी-मैरी गार्थ भी आयरलैंड की महिला टीम के लिए खेल चुकी हैं। उन्होंने 1988-89 के दौरान 12 वनडे मैच खेले, जिनमें 6 विकेट लेने के साथ 14 रन भी बनाए। क्रिकेट सिर्फ किम और उनकी मां तक ही सीमित नहीं है। उनके पिता जोनाथन गार्थ भी आयरलैंड के लिए खेले हैं। दोनों भाई भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। यानी पूरा परिवार क्रिकेट के मैदान पर अपना योगदान दे रहा है।

---

## गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से दी शिकस्त, राशिद खान ने चटकाए 4 विकेट

# जीटी ने प्लेऑफ का ठोका दावा आरआर टॉप-4 से बाहर

**जयपुर।** कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर 4 विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया।

टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर 4 विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है। राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर 3 विकेट) और कागिसो रबाडा (33 रन पर 2 विकेट) का अच्छा साथ मिला। मोहम्मद सिराज ने 4 ओवर में 55 रन लुटाए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी का अहम विकेट चटकाया। रॉयल्स के लिए रविंद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुरेल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।

### आर्चर के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में आरआर के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। आर्चर आईपीएल इतिहास का सबसे लंबा पहला ओवर फेंकने वाले गेंदबाज बन गए हैं। आर्चर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी का पहला ओवर पूरा करने के लिए कुल 11 गेंदें फेंकीं। इसके साथ ही आर्चर आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रूप से पहले गेंदबाज बन गए हैं। आर्चर से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा, हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह भी 11 गेंदों का ओवर फेंक चुके हैं। आर्चर ने इस ओवर में 4 वाइड और एक नो-बॉल डाली। उन्होंने अपने इस ओवर में कुल 18 रन खर्च किए।

### गिल और सुदर्शन ने की 118 रन की साझेदारी

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर गिल ने बाएं पैर में परेशानी के बावजूद 44 गेंदों में 9 चौकों और 3 छक्कों की मदद से तेजतर्रार 84 रन बनाए। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 55 रन की उपयोगी पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पारी के अंतिम ओवरों में वॉशिंगटन सुंदर ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए, जबकि राहुल तेवतिया ने 4 गेंदों में नाबाद 14 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

### गिल और सुदर्शन ने रचा इतिहास

गुजरात टाइटंस (जीटी) की सलामी जोड़ी के रूप में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने इतिहास रच दिया है। गिल-सुदर्शन आईपीएल में ओपनिंग विकेट के लिए सर्वाधिक शतकीय साझेदारी के मामले में गुजरात टाइटंस की तरफ से 'नंबर-1' जोड़ी बन गए हैं।आईपीएल में किसी भी विकेट के लिए सर्वाधिक शतकीय साझेदारियों के मामले में साई सुदर्शन और शुभमन गिल संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इन दोनों खिलाडियों ने 9 बार यह कारनामा किया है। इनके अलावा, विराट कोहली और क्रिस गेल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से 9 बार ऐसा कर चुके हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की जोड़ी शीर्ष पर है, जिनके बीच 10 बार शतकीय साझेदारी हुई है।

### जीटी ने बनाया अपना चौथा सर्वोच्च स्कोर

जीटी ने आईपीएल के इतिहास में अपना चौथा सर्वोच्च स्कोर बनाया है। टीम ने आरआर के खिलाफ 52वें मुकाबले में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाए। यह पहली पारी के आधार पर जीटी का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। पहली पारी के आधार पर गुजरात टाइटंस का सबसे बड़ा स्कोर साल 2023 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ बना था। इस टीम ने अहमदाबाद में खेले गए उस मुकाबले में 3 विकेट खोकर 233 रन जुटाए थे। आईपीएल 2024 में जीटी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 231/3 का स्कोर खड़ा किया था।

## शंघाई विश्व कप : जाधव ने जीता कांस्य पदक

**शंघाई।** विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा।

## प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी सीएसके, एलएसजी से भिड़ंत आज

मैच : दोपहर 3.30 बजे

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है।

### लखनऊ के लिए सत्र निराशाजनक

लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है।
सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है। जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रुतुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है। वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली।

---

**इटैलियन ओपन**

## प्रिजमिक का बड़ा उलटफेर जोकोविच टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी ▶▶| रोम

छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

### दूसरे सेट में गिरा जोकोविच का लेवल

जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच का लेवल दूसरे सेट में गिर गया। उनके शॉट्स की गहराई कम हो गई। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। चेहरे पर गुस्सा और साफ दिख रही निराशा के बीच, उन्होंने जल्द ही खुद को निडर प्रिजमिक के खिलाफ 4-0 से पीछे पाया। युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाना जारी रखा, जिससे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को और गलतियां करने पर मजबूर होना पड़ा और मैच को निर्णायक तीसरे सेट में ले गया।

## ब्लिट्ज : क्रिस्तोफ डुडा को हारकर 5वें स्थान पर गुकेश

**वारसॉ।** विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ब्लिट्ज वर्ग में खराब शुरुआत के बाद वापसी करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौवें दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर शानदार जीत दर्ज की। गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से 9 अंक जुटाए। उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए, जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं। अमेरिका के हैंस मोके नीमन पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बावजूद तालिका में शीर्ष पर बरकरार हैं। नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं। वहीं अमेरिका के तीसरे खिलाड़ी फैबियानो कारुआना स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ 15-15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश दो अंक पीछे अगले स्थान पर हैं।

### सिंडारोव 12 अंक से नौवें स्थान पर

फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव 12.5 अंक लेकर डुडा के साथ छठे स्थान पर हैं जबकि विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव 12 अंक से नौवें स्थान पर हैं। पोलैंड के राडोस्लाव वोज्तासक ने 10 अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं। गुकेश ने टूर्नामेंट के तीसरे दिन की शुरुआत वोज्तासक और अलीरेजा के खिलाफ दो हार के साथ की। इसके बाद वह कारुआना और सिंडारोव के खिलाफ भी दो बाजियां हार गए।

**DELHI PUBLIC SCHOOL**
(Under the aegis of the Delhi Public School Society, Delhi)
RISALI SECTOR, BHILAI (C.G.) 490 006
(Co-Educational, English Medium, CBSE Affiliation No.3330009)

Those candidates who had applied against our earlier advertisement between 07 and 09 January 2026 which now stands nullified, need not pay the application fee. However, they are required to submit the application along with all the required documents. If you do not wish to reapply, your application fee will be refunded upon request to the school office.

**Vacancies**

1. PGT-English 2. PGT/TGT-Physics 3. PGT/TGT-Computer Science
4. TGT-English, Sanskrit, Art & Craft, Physical Education
5. TGT/PRT-Music (Vocal & Instrumental) 6. PRT (Lady)-Maths, Social Science, Physical Education, Art & Craft, PPW 7. Staff Nurse (Female)

Application form can be downloaded from the school website. Apply on or before **29.05.2026** with a Demand Draft/Banker's Cheque of Rs. 500/- drawn in favour of the Principal, Delhi Public School, payable at Bhilai **(can be paid in cash also at the school office between 8:00 a.m. and 12:00 noon on working days).**
FOR DETAILS VISIT OUR WEBSITE: www.dpsbhilai.in
Deepak Ad.
**Principal I/c.**

## ई-नीलामी विक्रय सूचना

**निलामी की तिथि एवं समय :- 17-जून-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे**
**(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)**

**HDFC BANK**

**एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड**
**शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001**
**Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com**

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

| | (A) | (B) | (C) | (D) | (E) | (F) / (G) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| स. क्रं. | ऋणी(यों) का नाम | वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)* | अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है) | कब्जे का प्रकार | आरक्षित मूल्य (रु.) | ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.) |
| 1. | **श्री खरे त्रिलोक,** मकान नं. एफ-1, साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्री खरे त्रिलोक,** डी-403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर-452016. **श्रीमती मृणाल खरे** मकान नं. एफ-1 साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्रीमती मृणाल खरे** डी-403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर-452016. | ₹ 17,12,985/- 31 मई 2020 की स्थिति में | फ्लैट नंबर सी-2(203), साई विहार, खसरा नं. 673/6, 683/1, प.ह.नं. 109, ग्राम दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर, कुल सुपर बिल्टअप एरिया =823.65 वर्गफीट, कारपेट एरिया -650 वर्गफीट, **लेटिट्यूड-21.276429, लांगिट्यूड-81.673825.** | भौतिक | ₹16,20,000/- | ₹1,62,000/- / ₹ 5,000/- |
| 2. | **श्री वर्मा निशांत,** ए ब्लॉक - 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. **श्रीमती वर्मा रंजना,** ए ब्लॉक 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. **वर्मा एंटरप्राइजेज,** मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. श्रीमती वर्मा नूतन (दिवंगत) के पुत्र/पति/पुत्री एवं अन्य ज्ञात व अज्ञात कानूनी वारिस, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी और नियोक्ता, ए ब्लॉक 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. | ₹ 14,47,173/- 30 सितंबर 22* की स्थिति में | खसरा नंबर 667/26, प.ह.नं. 22/34, प्लॉट नंबर 226/4, हाउस शीट नंबर 21/5, मौजा जूना बिलासपुर, विनोबा नगर, वार्ड नंबर 14, बिलासपुर छ.ग.-495001, कुल भूमि क्षेत्रफल -140 वर्ग फीट। (13.011 वर्ग मीटर) बिल्टअप एरिया- 140 वर्ग फुट। (13.011 वर्ग मीटर) **लेटिट्यूड**-22.070823, **लांगिट्यूड**-82.156816. | भौतिक | ₹18,20,000/- | ₹1,82,000/- / ₹ 5,000/- |
| 3. | **श्री देवांगन ईश्वर,** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01 धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्री देवांगन ईश्वर,** मै. श्री बालाजी डिजिटल इमेजिंग प्रेस, सुंदरगंज वार्ड, स्टेशन रोड, धमतरी छत्तीसगढ़ 493773. **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01 धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773 **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा** मै. शालीमार बुक दीपो एंड कम्प्यूटर्स, हटेशकर वार्ड 01 धमतरी छत्तीसगढ़ 493773. | ₹ 36,39,823/- 30 सितंबर 24* की स्थिति में | परिवर्तित संपत्ति क्षेत्रफल 1230 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्रफल (भूतल) - 737 वर्ग फुट, निर्मित क्षेत्रफल (प्रथम तल) - 737 वर्ग फुट, खसरा संख्या - 548/6, स्थान - धामतरी टिकरापारा, वार्ड, प.ह.नंबर - 33, रानिमं- धमतरी, वार्ड नंबर 33, तहसील एवं जिला - धमतरी, छत्तीसगढ़। **चौहद्दी**:-उत्तर में गोस्वामी का मकान, दक्षिण में चंद्रमणि वाल्टर का मकान, पूर्व में रविंदर सिंह की भूमि, पश्चिम में सड़क। कुल क्षेत्रफल - भूमि क्षेत्र - 1230 वर्ग फुट/निर्मित क्षेत्र - 1474 वर्ग फुट (भूतल = 737 + प्रथम तल = 737), **लेटिट्यूड-20.706389, लांगिट्यूड-81.539528.** | भौतिक | ₹38,06,000/- | ₹3,80,600/- / ₹ 5,000/- |
| 4. | **श्रीमती तिवारी आरती,** वार्ड क्रमांक 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत। **श्रीमती तिवारी आरती,** मै. मो. नाजिम कंस्ट्रक्शन, वार्ड नंबर 47, लोधीपारा, उरला, दुर्ग छत्तीसगढ़ 491001. **श्री नाज़िम मोहम्मद,** वार्ड नंबर 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, उरला, दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत। | ₹ 16,37,301/- 30 अगस्त 2025* की स्थिति में | समस्त भाग एवं आंशिक भाग की प्लॉट खसरा 586/4/2, प.ह.न. 16, मौजा उरला, वार्ड नंबर 58, उरला, ईस्ट वार्ड, ओम नगर रानिमं : सिकोला, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़, कुल क्षेत्रफल- (868 वर्ग फुट + 868 वर्गफुट) 1736 वर्गफुट, **लेटिट्यूड-21.209572, लांगिट्यूड-81.277418.** | भौतिक | ₹14,25,000/- | ₹1,42,500/- / ₹ 5,000/- |

**सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 25-मई -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे**
**बोली की अंतिम तिथि :-15-जून -2026, शाम 5.00 बजे के पहले**

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
**ऋणभार/दावों का खुलासा: संपत्ति के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि प्रतिभूतिकरण आवेदन (एसए) एसए/98/2023 वर्तमान में माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, और उक्त संपत्ति की प्रस्तावित ई-नीलामी सह बिक्री उक्त कार्यवाही में माननीय डीआरटी द्वारा पारित अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।**
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.
**सावधानी नोट**: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 10 मई, 2026
स्थान: रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग
**रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013**
**एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड**
**प्राधिकृत अधिकारी**
ASA

# जानवरों से बात करने वाली मां...कहती हैं मेरा पूरा जीवन बदल गया

-अक्षया वी. कावले मुंबई स्थित एक प्रमाणित और अनुभवी एनिमल कम्युनिकेटर (पशु संचारक) हैं, जो टेलीपैथी के माध्यम से जानवरों से संवाद करती हैं। अक्षया 2011 से ही संचार कोच के रूप में काम कर रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने पशु संचार को अपना मुख्य पेशा बनाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नागपुर

मदर्स डे आज

वे पालतू और आवारा जानवरों की भावनाओं, व्यवहार संबंधी मुद्दों और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समझने के लिए उनसे टेलीपैथिक तरीके से बात करती हैं। अक्षया ने पशु संचार पर एक पुस्तक लिखी है, जो भारतीय लेखक द्वारा इस विषय पर पहली पुस्तक मानी जाती है। यह पुस्तक मराठी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। वे पशु संचार सिखाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करती हैं, जहाँ वे लोगों को जानवरों से संवाद करने की कला सिखाती हैं। उनका मानना है कि जानवर संवेदनशील प्राणी हैं और उनके अपने विचार, सीमाएं और पसंद-नापसंद होती हैं।

## -अक्षया ने पशु संचार पर एक पुस्तक लिखी, जो भारत में पहली मानी जाती है

### मैं बिल्लियों से भी बात करती हूं

वे बताती हैं कि 4 साल की उम्र से ही मुझे जानवरों से बातें करने में सुकून मिलता रहा है। बचपन में मैं अक्सर स्कूल के बाद दोपहर का समय बाहर बिल्लियों से बातें करते हुए बिताता था। मुझे वो सारी बातें आज भी अच्छी तरह याद हैं। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई, मेरी तार्किक सोच हावी हो गई और मुझे लगने लगा कि वो सारी बातें सिर्फ मेरे दिमाग की उपज हैं। घर में चार पालतू जानवर होने और आसपास के कई अन्य आवारा जानवरों की देखभाल करने के बावजूद, जानवरों से मेरा लगाव कभी कम नहीं हुआ। गोद लिए जाने तक मैं कई बचाए गए जानवरों की नियमित रूप से देखभाल भी करती रही हूं। एक दिन मुझे एक वरिष्ठ संचार विशेषज्ञ का एक वीडियो मिला जिसमें वह एक खूबसूरत काले तेंदुए से बात कर रहे थे। और मुझे बिल्लियों के साथ हुई अपनी सारी बातचीत याद आ गई। वे सब सचमुच की थीं। मैंने फिर से सहज रूप से जानवरों से संवाद करना शुरू कर दिया। पशु संचारक बनने की मेरी यात्रा का पहला कदम था। मैंने विश्वभर के पांच वरिष्ठ संचारकों से पशु संचार के पाठ्यक्रम लिए और आज भी पाठ्यक्रमों, पुस्तकों और सबसे महत्वपूर्ण बात, हर उस जानवर से बात करके सीखती रहती हूं जिससे मैं बात करती हूं।

### इंसानों की तरह संवाद करते हैं जानवर

अपने संवादों के माध्यम से, मैं जानवरों को बेहतर ढंग से समझना चाहती हूं, जिससे मुझे खुद को और हमारी दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह मनुष्यों और जानवरों के बीच एक स्वस्थ संबंध बनाने में भी सहायक होता है। चाहे आपके जानवर के साथ सामान्य बातचीत हो, उनके व्यवहार के बारे में जानना हो, या खुद अपने जानवरों के साथ संवाद करना सीखना हो, मैं आपकी इस यात्रा का हिस्सा बनना चाहूंगी। जानवरों से संवाद करना और उनकी बातें सुनना मेरे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। मेरी कामना है कि आपका जीवन भी इसी तरह शानदार रूप से बदले।

## डोपिंग नियमों उल्लंघन रेसलर विनेश पर लगा बैन

**नई दिल्ली।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और विनेश फोगाट के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। अब महासंघ ने शनिवार को उन पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में उनके भाग लेने पर रोक लगा दी गई है। इसके मायने हैं कि दो बार विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता रहीं विनेश को वापसी के लिए इंतजार करना होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 में प्रतिस्पर्धा से अयोग्य करार दिए जाने के बाद उन्होंने कुश्ती को अलविदा कह दिया था। अब वह गोंडा में रविवार से मंगलवार तक हो रही राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग चैंपियनशिप के जरिये वापसी करना चाहती थीं।

### जीएसटी बिल से जुड़े मामले में किया गिरफ्तार

# ईडी का बड़ा एक्शन, पंजाब सरकार में मंत्री अरोड़ा को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब सरकार को बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी।

ईडी ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा पर रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में हुई है। 9 मई को सुबह करीब 7:25 बजे ईडी की टीम चंडीगढ़ सेक्टर-2 स्थित सरकारी आवास पर पहुंची थी। 20 गाड़ियों में ईडी के अधिकारी पहुंचे थे। इसमें 3 दर्जन सीआईए और एसएफ जवान भी थे। रेड के उस वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई और शाम करीब 5 बजे उन्हें गिरफ्तार किया गया।

### यह हैं आरोप

कैबिनेट मंत्री अरोड़ा के खिलाफ 100 करोड़+ के फर्जी जीएसटी बिल का आरोप है। मोबाइल फोन कारोबार के फर्जी बिल बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट आईटीसी का गलत दावा किया था। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है कि दुबई से 'राउंड ट्रिप' के जरिए अवैध पैसा भारत लाना, जीएसटी रिफंड और ड्यूटी ड्रॉबैक लेने का आरोप है। औद्योगिक जमीन को आवासीय प्रोजेक्ट में बदलकर राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। अवैध सट्टेबाजी का पैसा रियल एस्टेट में लगानाईडी ने पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

### पहले भी हुई है रेड

बता दें इससे पहले भी अरोड़ा के यहां छापा पड़ा है। 2024 में लुधियाना पश्चिम के विधायक रहते हुए जमीन घोटाले में, अप्रैल 2026 में फेमा के तहत गुरुग्राम, चंडीगढ़, लुधियाना, जालंधर में 13 जगहों पर रेड और 18 अप्रैल 2026 को लुधियाना घर पर रेड हो चुकीहै।

### आप ने बोला केंद्र सरकार पर हमला

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सीएम भगवंत मान ने इस रेड के बाद एक ट्वीट किया है। उन्होंने इस ट्वीट में बीजेपी पर हमला बोला है। सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा कि आज फिर बीजेपी की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में यह तीसरी बार है जब बीजेपी की ईडी उनके घर आई है, और एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है; औरंगजेब भी इसे झुका नहीं पाया था। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया; इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। पंजाब, ईडी और भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन को खत्म कर देगा।

### सिसोदिया ने भी किया ट्वीट

ईडी के डायरेक्टर से लेकर चपरासी तक को अब मोदी जी ने पंजाब भेज दिया है। पर मोदी जी ध्यान रखिए पंजाब को दिल्ली में बैठा औरंगज़ेब भी नहीं झुका पाया था। आप पंजाब को जितना कुचलने की कोशिश करो, ये हमेशा तानाशाह से लड़ने के लिए उठ खड़ा हुआ है। वहीं संजय सिंह ने लिखा कि **BJP** का 'सुपारी किलर' ईडी आज फिर पंजाब पहुँच गया है।

## अंबानी के 17 ठिकानों पर सीबीआई ने मारे छापे

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अनिल अंबानी की कंपनियों पर सीबीआई का शिकंजा कसा है। दरअसल, सीबीआई ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों - रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के अलावा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों के संबंध में मुंबई में 17 परिसरों की तलाशी ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा- ये तलाशी कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालय परिसरों में की जा रही है जिनके खातों का उपयोग बैंक फंड्स के हेरफेर के लिए किया गया था। कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बता दें कि सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी का वारंट जारी करवाया था।

### नुकसान की रकम 27,337 करोड़ रुपए

सीबीआई अधिकारियों ने दावा किया कि तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन मामलों में बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुए कथित नुकसान की कुल राशि 27,337 करोड़ रुपये है। तलाशी से यह भी पता चला कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जांच जारी है। सीबीआई ने अलग-अलग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के खिलाफ हजारों करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के संबंध में सात मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों के दर्ज होने के तुरंत बाद सीबीआई ने पिछले कुछ महीनों में 14 स्थानों पर तलाशी ली थी।

## माता पिता कभी महुआ, तेंदूपत्ता चुना करते थे, अब बेटा जंगलों की करेगा रक्षा

रायगढ़। माता पिता जंगल में पहले महुआ बीनते थे, तेंदूपत्ता चुनते थे, उनका साथ बेटा भी देता था। अब वही बेटा अजय आईएफएस अफसर बनकर उसी जंगल की रक्षा करेगा। संबलपुरी निवासी अजय गुप्ता ने आईएफएस की कठिन परीक्षा पास की है। इसकी जानकारी जब गांव वालों को हुई तो आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। अजय उस दौर को याद करते हुए बताते हैं कि माता-पिता अधिक शिक्षित नहीं थे, लेकिन उन्होंने बच्चों की शिक्षा को ही अपना लक्ष्य माना। छुट्टियों के दौरान अजय स्वयं जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ इकट्ठा करने में माता-पिता की मदद करते थे। अभावों के बीच भी उन्होंने 10वीं में 92.66 प्रतिशत और 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी योग्यता का परिचय दिया था। अजय की इस लंबी उड़ान में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने 'कैशलेस सपोर्ट' और आर्थिक संबल प्रदान किया। लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति ने स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई के दौरान इस छात्रवृत्ति ने आर्थिक बोझ को कम किया। राज्य शासन की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से उन्हें निरंतर वित्तीय सहायता मिली, जिससे वे अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सके।

### गांव और मित्रों ने लगाया तिलक

जब अजय गांव पहुंचे तो परिजनों, ग्रामीणों और मित्रों ने उसका तिलक किया और आशीर्वाद दिया। दोस्तों में खुशी ठिकाना नहीं है, परिजनों को विश्वास नहीं हो रहा है और ग्रामीणों को लग रहा है यह सपना है, लेकिन यह हकीकत उनके सामने है। मिठाई बंट रही है, खुशियां मनाई जा रही है, पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है।

### छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के अजय गुप्ता को भारतीय वन सेवा (**IFS**) में चयनित होने पर बधाई देते हुए कहा कि अजय ने न केवल अपने माता-पिता का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक ऐसा युवा जिसने स्वयं जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रहित किया, आज उन्हीं वनों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने जा रहा है। हमारी सरकार की 'लघु वनोपज संघ छात्रवृत्ति' और 'पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' जैसी योजनाओं ने अजय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की राह आसान की है। अजय की उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही अवसर मिलने पर हमारे ग्रामीण अंचल के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपना स्थान सुनिश्चित कर सकते हैं। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अजय गुप्ता को फोन कर बधाई दी और उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। मंत्री ने कहा कि अजय की सफलता छत्तीसगढ़ के उन हजारों वनाश्रित परिवारों की जीत है जो जंगलों के बीच रहकर बड़े सपने देखते हैं। यह साबित करता है कि हमारी योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना नहीं, बल्कि ऐसे ही सशक्त भविष्य का निर्माण करना है। गुप्ता आज उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं जो सीमित संसाधनों में आईएफएस जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि मेहनत सच्ची हो और शासन का साथ मिले, तो वनांचल का कोई भी युवा देश के शीर्ष पद तक पहुँच सकता है।

## स्वामीनाथन होंगे अगले नौसेना प्रमुख, 31 को संभालेंगे कार्यभार

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारतीय नौसेना में प्रमुख बदलने वाले हैं। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमांडर हैं और 31 मई को कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन 1 जुलाई, 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त हुए थे और संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला; संयुक्त सेवा कमान एवं स्टाफ कॉलेज, श्रीवेनहैम, यूनाइटेड किंगडम; कॉलेज ऑफ नेवल वॉरफेयर, करंजा; और संयुक्त राज्य नौसेना युद्ध कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड, यूएसए से शिक्षा प्राप्त की है।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com